



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 49] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 9, 1978 (अग्रहायण 18, 1900)
No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 9, 1978 (AGRAHAYANA 18, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्रहित संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1978

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 नवम्बर 1978

सं० ए० 12019/1/78-प्र०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा इस कार्यालय के स्थाई अनुसंधान सहायक (हिन्दी) श्रीमती सुधा भार्गव तथा श्री चन्द किरण को कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर 2-11-1978 से 31-12-1978 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० ए० 12026/1/78-प्र०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा स्थाई स्वागती तथा स्थानापन्न स्वागत पर्यवेक्षक श्री एस० एल० चोपड़ा को स्वागत अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिये 6-11-1978 से 31-12-1978 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

एस० बालचन्द्रन
अवर सचिव
कृते सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

सं० पी०/1044/प्रशा०-I—भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् में उपमहानिदेशक (प्रशासन) के पद पर विदेश सेवा शर्तों के अधीन नियुक्ति हेतु चयन हो जाने के परिणामस्वरूप केन्द्रीय सचिवालय सेवा ग्रेड-I के अधिकारी श्री पी० एन० मुखर्जी को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 1-11-78 पूर्वाह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

सं० पी०/1369-प्रशा०-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा ग्रेड-I के अधिकारी श्री आर० आर० शिमरे को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 1-11-78 (पूर्वाह्न) से उनके प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर, मणिपुर सरकार में संयुक्त सचिव के पद पर नियुक्त हो जाने के परिणामस्वरूप, कार्यभार मुक्त कर दिया गया है।

सं० पी०/1822-प्रशा०-I—राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान के भूतपूर्व सह-प्रोफेसर तथा संघ लोक सेवा आयोग में स्थानापन्न उप-सचिव, डा० एन० प्रसाद की सेवाएं 1-11-78 (अपराह्न) से राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान को पुनः सौंपी जाती हैं।

दिनांक 3 नवम्बर 1978

सं० ए० 19014/7/78-प्रशा०-I—भारतीय अर्थ सेवा के अधिकारी श्री ए० एम० मंडल को राष्ट्रपति द्वारा 16 अक्टूबर, 1978 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेश तक, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० ए० 32011/1/77-प्रशा०-I—इस कार्यालय अधिसूचना संख्या ए० 32014/1/77-प्रशा०- दिनांक 31-5-77 में आंशिक संशोधन करते हुए तथा इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 20-7-77, 29-9-77, 2-12-77, 13-3-78, 8-6-78 और 11-9-78 का अतिक्रमण करते हुए के० स० स्टे० से० ग्रेड ग के स्थाई वैयक्तिक सहायक तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्टेनोग्राफर ग्रेड ग के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री के० सुन्दरम को राष्ट्रपति द्वारा 20-6-77 से या अगले आदेशों तक के० स० स्टे० से० ग्रेड ख के बरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के अस्थायी पद पर नियमित रूप से नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० 87 आर० सी० टी० 28—आयोग अधिसूचना सं० 87 आर० सी० टी० 28, दिनांक 4-11-78 को रद्द करते हुए केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा श्री एच० एस० राठीर, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थाई सहायक, को इस आयोग में 26-10-78 से 23-1-1979 तक अथवा अग्रिम आदेश तक, जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्री निवास
अवर सचिव

कृते केन्द्रीय सहकर्ता आयुक्त

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० स० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० एस० 157/67-प्रशा०-5—प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर, दिल्ली पुलिस के अधिकारी श्री सुरजीत सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक की सेवाएं दिनांक 1-11-78 के पूर्वाह्न से दिल्ली प्रशासन को वापस सौंपी जाती हैं।

दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० ए०-9/65-प्रशा०-5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री ए० सी० दास, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो दिनांक 31-10-1978, के अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० ए० 19035/1/78-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री जगत सिंह, अपराध सहायक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 30-10-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० ए०-19036/33/78-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाद से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के स्थाई निरीक्षक श्री बी० एन० मिश्रा को दिनांक 23-10-78 के पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रोन्नत करते हैं।

रिपुदमन सिंह
प्रशासन अधिकारी (ले०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर, 1978

सं० ए० 20014/102/76-प्रशा०-I—महाराष्ट्र राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एम० ए० अहीवाले को दिनांक 23-8-78 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कंध, बम्बई शाखा में अपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

जरनेल सिंह
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

श्रम मंत्रालय

(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

सं० 23/3/78-सी० पी० आई०—अक्तूबर, 1978 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960-100) सितम्बर, 1978 के स्तर से चार अंक बढ़ कर 340 (तीन सौ चालीस) रहा 1 अक्तूबर, 1978 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 413 (चार सौ तेरह) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज
संयुक्त निदेशक

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० डी० एक०-12/77-स्था०—श्री राज्यपाल सिंह की सेवाएं मिजोरम पुलिस द्वारा केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को निवर्तित करने के फलस्वरूप, उप पुलिस अधीक्षक के पद पर 28-10-78 (पूर्वाह्न) से 14वीं बाहिनी में नियुक्त किये जाते हैं।

दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० ओ० दो०-1105/72-स्था०—श्री हरनाम सिंह ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप पुलिस अधीक्षक, 32वीं वाहिनी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के पद का कार्यभार 30-9-78 (अपराह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० ओ० दो०-1096/78-स्था०—राष्ट्रपति, डाक्टर रिछपाल को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-दो (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर 30 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० ओ० दो० 1084/78-स्था०—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डाक्टर गुरदर्शन सिंह सरना, ग्रुप सेंटर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नागपुर का त्यागपत्र दिनांक 18 अगस्त, 1978 अपराह्न से स्वीकृत कर लिया है।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्र०)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय आन्वेषिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० ई० 38013(3)1/78-कार्मिक—विशाखापटनम में स्थानान्तरित होने पर श्री एस० एस० प्रसाद ने दिनांक 25 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, सी० सी० डब्ल्यू० ओ० धनबाद के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)1/78-कार्मिक—धनबाद से स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० एस० प्रसाद ने दिनांक 4 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, वी० पी० टी० विशाखापटनम, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)1/78-कार्मिक—गोहाटी में स्थानान्तरित होने पर, श्री पी० एन० देव ने दिनांक 26 सितम्बर, 1978 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, फरक्का बैरज प्रोजेक्ट के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई० 38013(3)1/78-कार्मिक—भिलाई से स्थानान्तरित होने पर, श्री भूप सिंह राणा ने दिनांक 25 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, सी० सी० डब्ल्यू० ओ० धनबाद, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)1/78-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री एन० के० सेन को अगले आदेश तक तदर्थ आधार पर सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं और उन्होंने 30 सितम्बर, 1978

के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, भिलाई इस्पात लिमिटेड, भिलाई के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)1/78-कार्मिक—स्थानान्तरण होने पर श्री सी० डी० कुकरेती ने दिनांक 21-9-78 के अपराह्न से ए० एस० पी० दुर्गापुर में प्रशिक्षण रिजर्व टुकड़ी के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)1/78-कार्मिक—नई दिल्ली से स्थानान्तरित होने पर, श्री एल० एन० मोहला ने दिनांक 22 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, डी० एस० पी०, दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)1/78-कार्मिक—स्थानान्तरण होने पर श्री टी० पी० बालाकृष्णन् नाम्बियार, ने दिनांक 25 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० क्षेत्रीय मुख्यालय, मद्रास, के सहायक कमांडेंट (क० प्र० अ०) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० ई० 16015/2/77-कार्मिक—अपने मूल मंत्रालय में प्रत्यावर्तित होने पर श्री एम० आर० नरोत्ता ने दिनांक 27 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली के अनुभाग अधिकारी पद का कार्यभार छोड़ दिया।

प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त होने पर, श्री क्यू० आर० सीकरी ने दिनांक 27 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न से महानिरीक्षक/के० ओ० सु० ब०, नई दिल्ली के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)1/78-कार्मिक—पिम्परी से स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० के० कोहली ने दिनांक 28 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० मुख्यालय भर्ती अनुभाग, नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट (क० प्र० अ०) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)1/78-कार्मिक—भिलाई में स्थानान्तरित होने पर, श्री पी० एस० नन्दल ने दिनांक 25 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, आर० सी० एण्ड एफ० लि०, बम्बई के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ह० अपठनीय

महानिरीक्षक/के० ओ० सु० ब०

भारत के महापञ्जीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० 11/20/78-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, डा० उ० व० माथुर को राजस्थान में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 1 दिसम्बर, 1978 से 6 महीने की अवधि के

लिये 1100-50-1600 रु० के वेतनमान में उपनिवेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष पुनर्नियोजित करते हैं।

दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० पी०/पी० (35)-प्रशा०-I-राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 29 अगस्त, 1978 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में भारत निर्वाचन आयोग सचिवालय के स्थायी हिन्दी अनुवादक, श्री के० एन० पंत की भारत के महापंजीकार के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को 1 अक्टूबर, 1978 से 31 दिसम्बर, 1978 तक या जब तक यह पद नियमित आधार पर भरा जाय, जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री पंत का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

पी० पटनाभ
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड़, दिनांक 12 नवम्बर 1978

सं० 1222/सम्०—श्री बी० टी० देव, प्रशासन अधिकारी, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड़, अपनी स्वेच्छा से 3-11-78 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हुये हैं।

डी० सी० मुखर्जी
महाप्रबन्धक

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० प्रशा० 1/का० आ० सं० 384/5-5/पदोन्नति/78-79/1780—महालेखाकार इसके द्वारा इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थाई/स्थानापन्न अनुभाग अधिकारियों को 8 नवम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

क्र०सं० नाम

1. श्री एस० एल० जाटव
2. श्री जे० के० डी० गुप्ता

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार, हरियाणा

चण्डीगढ़, दिनांक 24 जून 1975

सं० प्रशा०-I/72-विविध/75-76/1655—केन्द्रीय सिविल सेवाएं (अस्थाई सेवाएं) नियम 5, उपनियम (1)

के अन्तर्गत श्री रवीन्द्र कुमार शर्मा, लेखा परीक्षक को नोटिस जारी करता हूँ कि यह नोटिस दिये जाने के एक महीने बाद की तारीख से या जैसी स्थिति उसे निवेदित हो, से उसकी सेवा समाप्त समझी जाएगी।

ह० अपठनीय

उप महालेखाकार (प्र०)

महालेखाकार महाराष्ट्र-I, का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० प्रशा० 1/सामान्य/आए० जी०/3/खंड III/सी० (I)/9—महालेखाकार महाराष्ट्र-1 बम्बई, अधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सन्मुख निर्दिष्ट किये गये दिनांक से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्रमांक	नाम	दिनांक
1.	श्री व्ही० एन० उण्डे	21-10-78 अपराह्न
2.	„ एन० जे० कारुलकर	21-10-78 „
3.	„ आर० टी० काले	21-10-78 „
4.	„ सी० एस० चोरे	1-11-78 पूर्वाह्न

श्रीमती रजनी कृ० कुट्टी
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० प्रशा० II/जी० जी० अधिसूचना /983—महालेखाकार राजस्थान ने श्री कंवर पाल, अनुभाग अधिकारी को 28-10-78 (अपराह्न) से अग्रेतर आदेश के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

र० अ० बोरकर
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर, 1978

सं० प्रशा०-5/327-23(क)(2) अधिसूचना—मुख्य लेखा परीक्षक, डाक-तार ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों की पदोन्नति कर उनको स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारियों के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हें प्रत्येक के सामने उल्लिखित डाक-तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालयों में अगले

आदेशों तक तैनात किया है। उनकी पदोन्नतियाँ तदर्थ आधार पर हैं और संशोधनाधीन हैं।

क्र० सं०	नाम	डा० ता० ले० परी० कार्यालय जिससे अनु० असम्बन्धित है	डा० ता० शा० ले० परी० कार्यालय जिसमें नियुक्त किया गया है	ले० परी० अधि० के रूप से पदोन्नति की तिथि
1.	श्री कुलदीप राज	कपूरथला	नागपुर	22-8-1978 पूर्वाह्न
2.	„ अवतार सिंह भाटिया	कपूरथला	लखनऊ	22-8-1978 पूर्वाह्न
3.	„ राधवचारी	भंडार वर्कशाप	नागपुर	28-8-1978 पूर्वाह्न
	श्री निवासन	तार जांच कलकत्ता		
4.	„ असुरी बैकटाचारी कस्थूरी	मद्रास	नागपुर	11-9-1978 पूर्वाह्न
5.	„ प्रनभ नाथ राय	भंडार वर्कशाप	पटना	11-9-1978 पूर्वाह्न
		तार जांच, कलकत्ता		
6.	„ अनिल बरन अकवर्ती	भंडार वर्कशाप तार जांच कलकत्ता	कटक	29-8-1978 पूर्वाह्न

एस० कृष्णन
वरिष्ठ उप मुख्य लेखा परीक्षा

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 28 अक्टूबर 1978

सं० 70/जी०/78—वार्धक्य निवृत्ति आय प्राप्त कर
निम्नलिखित अधिकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शायी गयी
तारीख से सेवा निवृत्त हुए।

क्र० सं०	नाम एवं पद	सेवा निवृत्ति तिथि
(1)	श्री एस० सी० दास गुप्ता, मौलिक एवं स्थाई अपर- महानिदेशक आर्डनेन्स फैक्ट- रियां	30 अप्रैल 1977 (अप०)
(2)	श्री एस० एन० दास, स्थाना- पन्न वरिष्ठ डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० (मौलिक एवं स्थाई डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०)	30 अप्रैल, 1977 (अप०)
(3)	श्री बी० डी० सचदेवा, मौलिक एवं स्थाई वरिष्ठ डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०	30 जून, 1977 (अप०)
(4)	श्री बी० पी० गोयल, मौलिक एवं स्थायी ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-II	31 अक्टूबर, 1977 (अपराह्न)

क्र० सं०	नाम एवं पद	सेवा निवृत्ति तिथि
(5)	श्री बी० राय, मौलिक एवं स्थायी ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड -II	31 दिसम्बर, 1977 (अपराह्न)
(6)	श्री डी० एन० सरकार, स्थानापन्न ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-II (मौलिक एवं स्थाई वरि- ष्ठ डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०)	31 दिसम्बर, 1977 (अपराह्न)
(7)	श्री सुधीर कुमार राय, मौलिक एवं स्थाई वरिष्ठ डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०	31 जनवरी, 1978 (अपराह्न)
(8)	श्री जे० के० बैनर्जी, मौलिक एवं स्थाई ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-II	28 फरवरी, 1978 (अपराह्न)
(9)	श्री टी० एन० सेन, स्थाना- पन्न वरिष्ठ डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० (मौलिक एवं स्थाई डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०)	30 अप्रैल, 1978 (अपराह्न)
(10)	श्री जी० आर० सुन्दरम्, स्थानापन्न वरिष्ठ डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० मौलिक एवं स्थायी डा० ए० डी० जी० ओ० एफ०)	31 जुलाई, 1978 (अपराह्न)

सं० 71/जी०/78—दिनांक 1-9-1977 से तीन माह की सेवा वृद्धि की समाप्ति पर श्री एम० पी० आर० पिल्लाय, स्थानापन्न ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-I, (मौलिक एवं स्थाई ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-II) दिनांक 30 नवम्बर, 1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० 76/78/जी०—वार्षिक निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री ई० ए० टूटर, स्थानापन्न प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई उप-प्रबन्धक) दिनांक 30-9-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० मेहता
सहा० महानिदेशक प्र०
आर्डेनैन्स फैंक्टरियाँ

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहायिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० 6/1166/77-प्रशा० (राज०)/8054—राष्ट्रपति, श्री एम० एल० बस्ती को, जो इस कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के वर्ग "ग" के स्थायी आशुलिपिक हैं, 23 अक्टूबर, 1978 से अगला आदेश होने तक, इस कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के वर्ग "ख" में आशुलिपिक के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

का० वें० शेषाद्रि
मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर, 1978

सं० 12(367)62-प्रशा०(राजपत्रित)—मिजोरम शासन के उद्योग निदेशक के पद पर नियुक्ति हो जाने पर, श्री एल० एम० माथुर ने दिनांक 17 अक्टूबर, 1978 (अपराह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के उप निदेशक (यांत्रिक) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. दिनांक 17 अक्टूबर, 1978 (अपराह्न) से श्री एल० एम० माथुर की सेवाएं मिजोरम शासन को सौंपी जाती हैं।

दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० 12(648)/70-प्रशा० (राजपत्रित)—केन्द्रीय औजार कक्ष एवं प्रशिक्षण केन्द्र, कलकत्ता में सहायक प्रबंधक (प्रशासन) के पद पर प्रतिनियुक्ति हो जाने पर श्री एस० के० बसु ने दिनांक 1 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर के सहायक निदेशक, ग्रेड-II (जी० ए० डी०) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

महेन्द्र गुप्त
उप निदेशक
(प्रशासन)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० सी० एल० बी० 1/1/6-जी०/77—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 34 में प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्ण स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० एल० बी० 1/1/6-जी०/71 दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित संशोधन करता हूँ, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना के संलग्न सारणी में क्रम संख्या 7 के सामने स्तंभ 2, 3 और 4 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जाएंगी अर्थात्:—

1	2	3
(1) निदेशक हाथ तमिलनाडु करघा और वस्त्र, मद्रास	12(6), 12(6ए) 12(7ए), 12 (7 एए) 12सी और 12 ई	
(2) संयुक्त निदेशक हथकरघा और वस्त्र, मद्रास	12(6), 12(6ए) 12 (7ए), 12 (7 एए) 12 सी और 12 ई	
(3) सरकार के सचिव, उद्योग विभाग	12(7ए) और 12 (7 एए)	
(4) उपनिदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथ करघा और वस्त्र का कार्यालय, मद्रास	" "	
(5) सहायक निदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथ-करघा और वस्त्र	" "	

1	2	3	1	2	3
का कार्यालय, मद्रास			के मंडल कार्यालय के वस्त्र निरीक्षक		
(6) सहायक निदेशक (शक्तिचालित करघे) निदेशक हाथ-करघा और वस्त्र का कार्यालय, मद्रास	तमिलनाडु	12(7ए) और 12 (7 एए)	(13) राजस्व विभाग के अधिकारी जो राजस्व निरीक्षक की श्रेणी से नीचे के न हों	तमिलनाडु	12(7ए) और 12 (7एए)
(7) मंडल कार्यालयों के प्रभारी सहायक निदेशक, हाथ करघा और वस्त्र	"	"	(14) वाणिज्य कर विभाग के अधिकारी जो सहायक वाणिज्य कर अधिकारी की श्रेणी से नीचे न हों	"	"
(8) सहायक निदेशक हाथ करघा और वस्त्र के मंडल कार्यालयों के वस्त्र नियंत्रण अधिकारी	"	"	(15) पुलिस और उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारी जो उप-निरीक्षक की श्रेणी से नीचे के न हों	"	"
(9) हाथ करघा और वस्त्र के मंडल सहायक निदेशकों के मातहत काम करनेवाले हाथ करघा अधिकारी	"	"	<p>सं० 18(1)/77-सी० एल० बी० II:—वस्त्र (शक्तिचालित करघों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण आदेश, 1956 के खंड II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 15(2)/67-सी० एल० बी० II/बी०, दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात्:—</p> <p>उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 7 के सामने स्तंभ 1, 2, 3 और 4 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—</p>		
(10) हाथ करघा और वस्त्र के मंडल सहायक निदेशकों के मातहत काम करने वाले हाथ करघा निरीक्षक	"	"	1	2	3
(11) हाथ करघा और वस्त्र के मंडल सहायक निदेशक के मातहत काम करने वाले कनिष्ठ तकनीकी सहायक	"	"	4		
(12) हाथ करघा और वस्त्र के सहायक निदेशक	"	"	1. निदेशक हाथ करघा और वस्त्र, मद्रास	तमिलनाडु	6, 6 सी, 7ए, 8 और 8ए
			2. संयुक्त निदेशक हाथ करघा और वस्त्र, निदेशक हाथ करघा और वस्त्र का कार्यालय, मद्रास।	"	"
			3. उप निदेशक (वस्त्र)	"	6, 7ए और 8
			4. सहायक निदेशक (वस्त्र)	"	"

1	2	3	4
5. सहायक निदेशक (शक्ति- चालित करघे), निदेशक हाथ करघा और वस्त्र का कार्यालय	तमिलनाडु	6, 7 ए और 8	
6. मंडलों के प्रभारी सहायक निदेशक हाथ करघा और वस्त्र	"	"	"
7. वस्त्र नियंत्रण अधिकारी	हाथ करघा	8	"
8. हाथकरघा अधिकारी	और वस्त्र के		
9. हाथकरघा निरीक्षक	मंडल सहायक		
10. वस्त्र निरीक्षक	निदेशकों के		
11. कनिष्ठ तकनीकी सहायक	मातहत		

गीरी शंकर भार्गव,
संयुक्त वस्त्र प्रायुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० ए०-17011/141/78-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक, पूर्ति (ग्रेड II) श्री विप्र दास को दिनांक 3-10-1978 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक जमशेदपुर निरीक्षणालय के अधीन उप निदेशक निरीक्षण (धातु), भिलाई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

हस्तात और खान मंत्रालय
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० 7592 बी-2222 (पी० के० बी०)/19 ए०—श्री प्रणय कुमार विश्वास को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रति माह के आरंभिक वेतन पर 650-34-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 26 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 7604 बी-2222 (एन० के० डी०)/19 ए०—श्री नलिन कुमार धीर को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भू-

वैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के आरंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 1 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 7616 बी०-2222 (एस० बी०)/19 बी०—श्री शशांक भटनागर को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के आरंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 30 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 7667 बी०-2222 (यू० बी०)/19 ए०—श्री उदयभानु भट्टाचार्य को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के आरंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 11 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 7695 बी-2222 (ए० एन० एस०)/19 ए०—डा० अवध नारायण सिंह को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के आरंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 28 अगस्त, 1978 के अपराह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी,
महा निदेशक

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण
भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-16, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 4-155/77/स्था०—भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के निदेशक, श्री एन० पी० लाला को इस सर्वेक्षण के पश्चिमी क्षेत्र, उदयपुर में सहायक मानव विज्ञानी (सांस्कृतिक) के पद पर 26 सितम्बर, 1978 के अपराह्न से अस्थायी आधार पर अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थोमस,
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० 14/12/78-स्मारक (पर्यटन)—मै० के० बी० सोन्दर राजन, निदेशक (स्मारक) प्राचीन स्मारक और पुरातत्वीय

स्थल एवं अवशेष नियमावली, 1959 के नियम-6 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए यह निदेश जारी करता हूँ कि चैत्य गिरि विहार के 26वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर सांची, जिला रायसेन (मध्य प्रदेश) के बौद्ध स्मारकों में 28 नवम्बर, से 30 नवम्बर, 1978 तक प्रवेश शुल्क नहीं लिया जायेगा।

के० बी० सौन्दर राजन,
निदेशक (स्मारक)

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० एफ० 11-9/77-ए०-1:—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतत् द्वारा श्री सी० पी० माथुर, सहायक अभिलेखाधिकारी (ग्रेड 1) (सामान्य) और इस समय जो हरियाणा सरकार में प्रतिनियुक्ति पर, अभिलेखाधिकारी (सामान्य) है, उनको राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली में 24-8-77 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक एफ० आर० 30 (1) (आगामी निम्न नियम) के निम्न परन्तुक के अन्तर्गत विहित पदोन्नति की सस्वीकृति देते हैं।

सं० एफ० 11-9/77-ए०-1:—श्री एस० एस० रेखी, सहायक अभिलेखाधिकारी (ग्रेड I) (सामान्य) और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न अभिलेखाधिकारी (सामान्य) को नियमित अस्थायी आधार पर 8-11-78 (पूर्वाह्न) से तब तक के लिए स्थानापन्न अभिलेखाधिकारी (सामान्य) नियुक्त किया जाता है जब तक श्री सी० पी० माथुर, अभिलेखाधिकारी (सामान्य) (आगामी निम्न नियम के अंतर्गत) जो अभी हरियाणा सरकार के साथ प्रतिनियुक्ति पर है, राष्ट्रीय अभिलेखागार में प्रत्यावर्तित नहीं हो जाते।

श्रीनन्दन प्रसाद,
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

(सिविल निर्माण स्कंध)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० ए०-12023/2/78-सी० डब्ल्यू०-1:—महानिदेशक, आकाशवाणी, नई दिल्ली, श्री विजय कुमार गोगने को दिनांक 24 अक्तूबर, 1978 (पूर्वाह्न) से रुपये 650-30-740-35-810-४० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्य सर्वेक्षक (विद्युत), सिविल निर्माण स्कंध, आकाशवाणी, नई दिल्ली के पद पर नियुक्त करते हैं।

2-366GI/78

2. श्री गोगने की नियुक्ति, अन्य शर्तों के साथ-साथ, उनको पहले ही जारी किये गये नियुक्ति पत्र की शर्तों द्वारा नियंत्रित होंगी।

एस० रामास्वामी,
अपर मुख्य अभियंता (निर्माण) के अभियंता अधिकारी
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय,

नई दिल्ली-110001, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० ए०-12026/5/78-स्था०—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, केन्द्रीय सूचना सेवा के ग्रेड-3 स्थानापन्न अधिकारी श्री बी० एन० राजभार को विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय में दिनांक 17 अक्तूबर, 1978 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक सामान्य प्रतिनियुक्ति शर्तों पर, तदर्थ रूप से सहायक माध्यम कार्यपालक नियुक्त करते हैं।

2. तकनीकी सहायक (विज्ञापन) के पद में प्रतिवर्तन होने पर श्री भास्कर नयार ने 13 अक्तूबर, 1978 अपराह्न से सहायक माध्यम कार्यपालक का पद त्याग दिया।

आर० देवासर
उप-निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० ए० 12025/(I)/20/78-के० स्वा० से०-1:—दिल्ली नगर निगम के अधीन विकिरण शास्त्री के पद पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप डा० अशोक विरमानी ने 14 सितम्बर 1978 पूर्वाह्न से सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (के० स्वा० से० के० जी० डी० ओ० ग्रेड II के अधिकारी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

को० वेणुगोपाल
अवर सचिव,

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक

सं० ए० 38012/2/78-भण्डार I—अपनी सेवा निवृत्त भ्रातृ के हो जाने पर राजकीय मेडिकल स्टोर डिपो, करनाल के डिपो मैनेजर श्री एम० आर० शर्मा 1 नवम्बर, 1978 पूर्वाह्न को सरकारी सेवा से रिटायर हो गये हैं।

नई दिल्ली, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० ए० 38012/4/78-एस० आई०—सेवा निवृत्ति की भ्रातृ हो जाने पर सरकारी चिकित्सा स्टोर डीपु, बम्बई के उप

सहायक महानिदेशक (मेडिकल स्टोर), श्री पी० आर० हरयाल
1 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

के० सी० मिश्रा,
उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० ए०-32014/3/78 (ए० आई० आई० पी० एम० आर०) प्रशासन-I:—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने अखिल भारतीय शारीरिक चिकित्सा तथा पुनर्वास संस्थान, बम्बई में लेक्चरर के पद पर काम कर रही श्रीमती एम० ए० चौकर को 18 अप्रैल, 1978 से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में व्यावसायिक मार्गदर्शन विभाग में प्रमुख के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32014/3/78-(ए० आई० आई० पी० एम० आर०)/प्रशासन-I:—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने अखिल भारतीय शारीरिक चिकित्सा एवं पुनर्वास संस्थान, बम्बई में लेक्चरर के पद पर काम कर रही श्रीमती बी० एन० छाबरिया को 10 अप्रैल, 1978 से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में चिकित्सा सामाजिक कार्य विभाग के प्रमुख के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० ए०-12025/4/78 (एच० क्यू०) : प्रशासन-I:—राष्ट्रपति ने डा० आर० सी० शर्मा को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सहायक महानिदेशक (भण्डार) के पद पर 2 नवम्बर, 1978 से आगामी आदेशों तक अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32014/6/78-(एस० जे० एच०)/प्रशासन-I:—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री ओंकार सिंह गुजराल, हैड क्लर्क सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली को उसी अस्पताल में श्री खिनपारमल भिमानी की 52 दिन की 'अवकाश रिक्ति' की अवधि के दौरान 8-9-78 (पूर्वाह्न) से 29-10-1978 (अपराह्न) तक सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32014/5/78 (एस० जे० एच०)/प्रशासन-I:—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री जसवंत राम, गोपनीय सहायक, सफदरजंग अस्पताल में नई दिल्ली को उसी अस्पताल में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर 1 सितम्बर, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

श्याम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन
(सं० ब प०)

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 28 अगस्त 1978

सं० 5/1/78-स्थापना II/3071-नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री पुल्सन्निकललिल चाको थामस, भाभा

परमाणु अनुसंधान केन्द्र में स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी को, इसी अनुसंधान केन्द्र में नीचे लिखे अनुसार स्थानापन्न लेखा अधिकारी II नियुक्त करते हैं :—

(क) 10 अप्रैल 1978 (पूर्वाह्न) से 31 जुलाई, 1978 (अपराह्न) तक तदर्थ आधार पर।

(ख) 1 अगस्त 1978 पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक नियमित आधार पर।

पी० एस० बैकटसुब्रमण्यम,
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 16 सितम्बर 1978

सं० 5/1/78-स्थापना II/3273:—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के आगे लिखी अवधि के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम तथा पद	स्थानापन्न नियुक्ति	अवधि	
			से पूर्वाह्न	तक अपराह्न
1.	श्री बी० एम० नाइक	सहायक सेलेक्शन ग्रेड लिपिक कार्मिक अधिकारी	19-7-78	29-8-78
2.	श्री पी० बी० करंदीकर	सहायक कार्मिक अधिकारी	19-7-78	29-8-78

दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० बी०/1569/मेडिकल/स्थापना-I/4472—निदेशक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने डा० एस० के० बाकडे जो इसी केन्द्र में निवासी चिकित्सा अधिकारी हैं, का सेवा से त्याग पत्र 30 अगस्त, 1978 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

एम० एस० राव,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० डी० पी० एस०/23(4)/77-स्थापना 28008—निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्नलिखित क्रय सहायकों को सहायक क्रय अधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने हेतु रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में, तदर्थ रूप से, इसी निदेशालय में, उनके सामने दिखाई गई तिथियों तक नियुक्त करते हैं :—

1. श्री के० टी० परमेश्वरन्—29-8-78 से 12-10-78 तक
 2. श्री बी० एस० साखरे—4-10-78 से 10-11-78 तक
- बी० जी० कुलकर्णी,
सहायक कामिक अधिकारी

मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट

मद्रास-600006, दिनांक 6 नवम्बर 1978

सं० एम० आर० पी० यू०/200 (19)/78-प्रशासन—
इस कार्यालय की तारीख 10-4-78 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, क्रय एवं भंडार निवेशक, श्री आर० नारायणन को सहायक भंडार अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से की गई नियुक्ति की अवधि को 7-5-78 से 20-5-78 तक बढ़ाते हैं।

एस० रंगाचारी,
क्रय अधिकारी

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

सं० पी० पी० ई० डी०/3(262)/76-प्रशासन/12066—
विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, इस प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सलैक्शन ग्रेड क्लर्क श्री एच० एच० शाह को 11 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से 21 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न तक उसी प्रभाग में अस्थायी रूप से सहायक कामिक अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री जी० एस० खुराना, सहायक कामिक अधिकारी, के स्वाम पर की गई है जिन्हें प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए भेजा गया है।

बी० बी० थाते,
प्रशासन अधिकारी

नरोरा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

नरोरा, दिनांक 6 नवम्बर 1978

सं० एन० ए० पी० पी०/प्रशा०/5(17)/78/एस०/11041:—
नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, पश्चिमी रेलवे, बम्बई के एक अनुभाग अधिकारी श्री आर० ए० अवस्थी को, जो इस समय इस परियोजना में लेखाकार के पद पर प्रतिनियुक्ति हैं, उसी परियोजना में 25 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये, 650-30-740-35-880-ब० रो०-40-960 रुपये के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर सहायक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन,
प्रशासनिक अधिकारी,
इसे मुख्य परियोजना अभियन्ता

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 अक्टूबर 1978

सं० ए० 32013/4/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एन० मनियनडे, सहायक संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली को दिनांक 27-9-78 (पूर्वाह्न) से छः मास की अवधि के लिए अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय नियंत्रक संचार के कार्यालय, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास में तैनात किया है।

दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० ए० 32013/5/78-ई० सी०—राष्ट्रपति ने महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) के श्री आर० पी० शर्मा, सहायक निवेशक संचार (तदर्थ) को दिनांक 13-10-78 (पूर्वाह्न) से 25-10-78 तक उपनिदेशक संचार के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० ए० 32014/1/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित दो तकनीकी सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और प्रत्येक के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री जे० सी० राय	ब० सं० स्टेशन, कलकत्ता।	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता।	15-6-78 (पूर्वाह्न)
2.	श्री आर० एन० बनर्जी	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	26-6-78 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 32014/1/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित तीन तकनीकी सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से नियमित आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री आर० सी० पन्त	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	26-6-78 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4	5
2.	श्री आत्मा राम	वै० सं० स्टेशन बेलगाम	वै० सं० स्टेशन, भोपाल	7-7-78 (पूर्वाह्न)
3	श्री पी० एन० पन्त	ना० वि० प्र० केन्द्र, इलाहाबाद	ना० वि० प्र० केन्द्र, इलाहाबाद	15-7-78 (पूर्वाह्न)

दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० ए० 32014/2/77-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री ए० के० हल्दर, संचार सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता को दिनांक 27-6-78 (पूर्वाह्न) से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 32014/2/77-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री ए० के० हल्दर, जो इस समय वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता में सहायक संचार अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर कार्यरत हैं, को दिनांक 1-10-78 से उसी ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 32014/2/77-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री रामचन्द्र, संचार सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली को दिनांक 3-7-78 (पूर्वाह्न) से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 32013/4/78-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री आर० सी० चित्ताराम, संचार अधिकारी, क्षेत्रीय नियंत्रक संचार का कार्यालय, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई, को दिनांक 30-9-78 से छ मास की अवधि के लिए वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय नागर विमानन विभाग, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई में तैनात किया है।

सं० ए० 32014/1/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित चार तकनीकी सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है—

क्रम सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार संभालने की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री टी० एल० रेलवानी	वै० सं० स्टेशन बम्बई	वै० सं० स्टेशन	19-7-78 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4	5
2.	श्री एन० बी० सिंघाणकर	वै० सं० स्टेशन, वाशिम	वै० सं० स्टेशन, जबलपुर	29-7-78 (पूर्वाह्न)
3.	श्री एन० के० राय	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	17-8-78 (पूर्वाह्न)
4.	श्री बी० चौधरी	वै० सं० स्टेशन कलकत्ता	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	11-9-78 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 38013/1/77-ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित अधिकारियों ने, उनके नाम के सामने दी गई तारीख को, अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है और सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं :—

क्रम सं०	नाम, पद तथा तैनाती स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तारीख
1.	श्री बी० जी० मखीजानी सहायक संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।	30-6-78 (अपराह्न)
2.	श्री के० एल० भसीन सहायक तकनीकी अधिकारी, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।	31-3-78 (अपराह्न)
3.	श्री वी० आर० केशवन सहायक तकनीकी अधिकारी, केन्द्रीय रेडियो स्टोर डिपो, नई दिल्ली।	31-8-78 (अपराह्न)

सत्य देव शर्मा,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1978

सं० ए० 38013/5/78-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एस० रैना, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी, सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली का सरकारी सेवा से त्यागपत्र दिनांक 31 अक्तूबर, 1978 (अपराह्न) से स्वीकार कर लिया है।

बी० वी० जीहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० 16/304/78-स्थापना-I—अध्यक्ष, [वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, डा० समर बहादुर सिंह को पांचवीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत वन मृदा प्रयोगशालाएं (वन मृदा व वनस्पति सर्वेक्षण) योजना के क्षेत्रीय केन्द्र जबलपुर में दिनांक 18-10-78 के पूर्वार्द्ध से अगले आदेशों तक महर्षि अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गुरदयाल मोहन, कुल सचिव,
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

पटना, दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० 11(7) 1-स्था०/77/11465—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना के निम्नलिखित अधीक्षक ग्रुप 'बी' अपनी सेवा की आयु पूरी कर उनके नाम के सामने दिखाए गये तारीख और समयानुसार सेवा निवृत्त हुए।

क्रमांक	नाम	पदनाम	सेवा निवृत्ति की तिथि
सर्वश्री			
1. एस० डी० मिश्रा	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क	31-7-78 (अपराह्न)	
2. खलील अहमद खान	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क	31-7-78 (अपराह्न)	
3. मो० हारुन	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क	31-8-78 (अपराह्न)	
4. एस० एन० सिन्हा	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क	30-9-78 (अपराह्न)	
5. एच० पी० सेन	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क	30-9-78 (अपराह्न)	
6. जे० डी० मल्लिक	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क	30-9-78 (अपराह्न)	

सं० 11(7) 2-स्था०/78/11466—इस कार्यालय के स्थापना आदेश संख्या 13/78 दिनांक 12-1-78, जो स्थापना आदेश संख्या 169/78 दिनांक 17-6-78 द्वारा संशोधित किया गया, के अनुसार श्री रामचरित्र प्रसाद, निरीक्षक को स्थानापन्न अधीक्षक, के रूप में पदोन्नत किया गया है तथा उन्होंने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क रेंज एलीथ चौक के रूप में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सहित वेतनमान पर दिनांक 30-9-78 के पूर्वार्द्ध में कार्यभार ग्रहण किया।

डी० के० सरकार, समाहर्ता,

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

मद्रास, दिनांक 25 सितम्बर 1978

सं० II/3/24/78-स्थापना—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, मद्रास के निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षकों को, अगला आदेश होने तक प्रशासनिक अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, ग्रुप 'ख' के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त तथा प्रत्येक के नाम के सामने दिखाई गई तिथियों तथा उल्लिखित स्थानों पर तैनात किया गया है।

क्रम सं०	नाम	स्थान जहां तैनात किया गया है।	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1	2	3	4
1.	कुमारी डोरथिया रोबर्ट्स	मुख्य कार्यालय, मद्रास	18-1-78 (अपराह्न)
2.	श्री के० विश्वनाथन	पांडिचेरी, डिवीजन प्रशासनिक अधिकारी	6-4-78 (अपराह्न)
3.	श्री एल० मुनिराथीनम	कोयम्बटूर-1, डिवीजन प्रशासनिक अधिकारी	30-8-78 (पूर्वाह्न)

एम० जी० बैच, समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 13 नवम्बर, 1978

सं० ए०-19012/746/78-प्रशासन-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री बी० बी० मुण्डी, अनुसंधान सहायक को पदोन्नति पर पूर्णतया अस्थाई एवं तदर्थ आधार पर सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पुणे में दिनांक 9-10-1978 के पूर्वार्द्ध से 28-2-1979 तक या जब तक कि यह पद नियमित रूप से भरा जाए, इसमें जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० ए० 32012/9/75-प्रशासन-5—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग-ख) की सिफारिशों के आधार पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, इस समय केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पुणे में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे श्री बी० के० साहा, अनुसंधान सहायक को एतद्वारा उसी पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 17 अक्तूबर, 1978 के पूर्वार्द्ध से, अगले

आदेश होते तक, पदोन्नति पर नियमित रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री साहा, सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर 17 अक्तूबर, 1978 से दो वर्ष पर्यन्त परीक्षा पर रहेंगे।

जे० के० साहा, अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

(पूर्ति विभाग)

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता-27, दिनांक 17 नवम्बर, 1978

सं० जी०-318/ए०—श्री एन० माधवन, वित्त मंत्रालय के संवर्ग के स्थायी सहकारी जो कि राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता की अधिसूचना सं० जी०-318/ए० दिनांक 12-12-74 के अनुसार दिनांक 20-11-74 (पूर्वाह्न) से राष्ट्रीय परीक्षण गृह, बम्बई शाखा, बम्बई में सहकारी अधिकारी (प्रशासन) (ग्रेड II) के रूप में नियुक्त किये गये थे दिनांक 10-3-78 के अपराह्न से वित्त मंत्रालय में अवतीर्ण किये गये।

ई० के० रामचन्द्रन, युग्म निवेशक
राष्ट्रीय परीक्षण गृह

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मेसर्स मुडरा (एक्सपोर्ट)
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० 18254/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स मुडरा (एक्सपोर्ट) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एल० एम० गुप्ता,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 और सफरी ट्रवल्स लिमिटेड
के विषय में।

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० 12780/3391—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सफरी ट्रवल्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और फूट प्रिन्टस प्राइवेट लि०
के विषय में।

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० 12779/3537-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि फूट प्रिन्टस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

एस० नारायणन्,
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
यू० पी०, कानपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 और घर बसाऊ कन्स्ट्रक्शन
कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० जी/स्टेट/560/3372—कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि घर बसाऊ कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और दयालबाग ट्रेडिंग कम्पनी
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० जी/स्टेट/560/544—कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दयाल बाग ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और खन्ना ब्रदर्स (पब्लिशर्स)
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 16 नवम्बर, 1978

सं० जी०/स्टेट०/560/3398—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि खन्ना ब्रदर्स (पब्लिशर्स) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश तायल,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और यू० पी० शाक
एबजारबरस लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० 8269/8/2005—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि यू० पी० शाक एबजारबरस लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

श्रीमती सी० कपूर,
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज, दिल्ली

कम्पनी अधिनियम, 1956 और के० पि० दास एण्ड कं०
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० 16697/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर के० पि० दास एण्ड कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सानराईज मिरलस
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० 27909/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सनराईज मिरलस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बंसल स्वी० मार्ईका
सप्लाइ कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० 26182/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बंगाल स्वी मार्ईका सप्लाइ प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और महामाया मिल्स प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० 23391/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर महामाया मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एन० आर० सरकार,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री वेंकटेश्वरा आटो-
मोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० 4846/560(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री वेंकटेश्वरा आटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

सी० अभ्युतन,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स रामा फटिलाइजर्स
एण्ड कैमिकल्स प्रा० लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर, 1978

सं० 4671/20119—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रामा फटिलाइजर्स एण्ड कैमिकल्स प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स एस० पी०
वाटरवेल इंजिनियर्स प्रा० लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० 4826/20117—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स एस० पी० वाटरवेल इंजिनियर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शाित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जे० सी० गुप्ता,
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार
दिल्ली एवं हरियाणा

आयकर आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1978

आयकर

सं० जुरि-दिल्ली/5/78-79/27910—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 125 ए की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर जारी पहले की अधिसूचनाओं में आंशिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5 निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी डाक्टर सफिल, नई दिल्ली के किसी क्षेत्र या व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में प्रदान की गई या सौंपी गई किसी भी या सभी शक्तियों या कार्यों का प्रयोग या निष्पादन समवर्ती रूप से निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज 5 डी करेंगे।

2. आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, कार्य निष्पादन की सुविधा के लिए निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-5 डी को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 125 ए की उपधारा (2)

में अपेक्षित आदेशों को भी पास करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

यह अधिसूचना 7-11-78 से लागू होगी।

सं० जुरि-दिल्ली/5/78-79/28041:—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के सभी आदेशों में संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उसी अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्ट/सफिलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य निष्पादित करेंगे :—

अनुसूची

रेंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सफिल
1	2
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज 5 सी, नई दिल्ली	1. डिस्ट्रिक्ट-4, नई दिल्ली। 2. विदेश अनुभाग, नई दिल्ली।
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-5-डी०, नई दिल्ली	1. डाक्टर सफिल, नई दिल्ली

यह अधिसूचना 7-11-78 से लागू होगी।

के० आर० राघवन,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 9 नवम्बर 1978

निवेश सं० III-280/अर्जन/78-79/—अतः मुझे एम० एन०
तिवारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० है, तथा जो सुजागज, भागलपुर
में स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 30-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
खय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-366GI/78

(1) श्री उमेश कुमार ठन्ठनियां, पुनीत कुमार ठन्ठनियां
एवं अनिल कुमार ठन्ठनियां सा०-74-डी, बुदेल
रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश प्रसाद ठन्ठनियां सा०-16, बल्लीगुंज,
पार्क रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का रकबा 1 बीघा, 7 कट्ठा, 18 घुर 3 घुरकी में
1/4th अविभाजित हिस्सा जो साकिन सुजागज, जिला भागलपुर
में स्थित है, जो दस्तावेज संख्या I-1679 दिनांक 30-3-1978
में पूर्णतया वर्णित है ।

एम० एन० तिवारी
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

दिनांक 9 नवम्बर 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 अगस्त 1978

निदेश सं० अ० इ० 1/3027-3/मार्च-78—अतः मुझे एफ०

जे० फर्नान्डीज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० सी० एस० नं० 1105, 1030 का लोअर परेल डिवीजन है, तथा जो एलिफिस्टन रोड में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धीरजलाल बी० संधवी, 2 प्रमोद कुमार के बुसा, 3. श्रीमती भानुमती के० बुसा 4. भारत कुमार० बुसा

(अन्तरक)

(2) बुसा इंडस्ट्रियल प्रीमिस को० आप० हाउ० सो० लि०

(अन्तरिती)

(3) सोसायटी के सदस्य

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 509/75/बम्बई उप रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 21-12-78 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एफ० जे० फर्नान्डीज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक : 22 अगस्त 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 सितम्बर 1978

निर्देश सं० अ० इ० 2/2541-3/मार्च-78-प्रतःमुझे ए० सी० चन्द्रा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,
और जिस की सं० सी० टी० एन० नं० 1349, 1350, 1351
एस० नं० 87, है तथा जो पाली हिल वांदा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-3-1978 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसारण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) डा० जमशेद सोराब मूस श्रीमती मिखू बेहमान मूस
(अन्तरक)
- (2) मन्ट्रीयल ओलम्पीक प्रिमाइसेस को० आप० सी०
लि०, (अन्तरिती)
- (3) 1. श्रीमती प्रफुल्ला एस० गैटोन्डे 2. श्रीमती पूनम बी०
पंजाबी 3. माल्ती स्याल 4. श्री ई० एन० नायर
5. श्रीमती मेरी सिम्पसन, 6. श्री जसपाल सिंह गांधी,
7. श्री चिमनलाल खन्ना, 8. श्री मोहनलाल पाल जैन
9. श्री भारसल लोबो, 10. श्रीमती लिली स्वामी,
11. श्रीमती भारती राना, 12. श्री बलराम कुकरेजा,
13. श्रीमती शीला छावरिया, 14. श्री जैसिंह श्याम
लाल, 15. शीला मुखर्जी, 16. केपट० सुरेश कुमार
खुराना, 17. श्री नारायण एल० बजाज, 18. श्री
सी० एम० मोहम्मद कुनही, 19. श्रीमती लवलीन, खन्ना
20. श्रीमती लोचमी एम० भरवानी, 21. श्री

अनिलकुमार एम० पारकर, —गैरेज

22. श्रीमती शीला मुखर्जी, 23. श्री अनिलकुमार एम०
पारकर, 24. श्री बलराम कुकरेजा, 25. श्री भारसल
लोबो, 26. श्रीमती प्रफुल्ला एस० गैटोन्डे, 27. श्रीमती
लोचमी भरवानी, 28. श्री मोहनलाल पाल जैन,
29. श्रीमती मेरी सिम्पसन, 30. श्री जसपाल सिंह
गांधी, 31. चिमनलाल खन्ना, 32. श्रीमती लवलीन
खन्ना, 33. श्री नारायण दास एल० बजाज, 34.
श्रीमती शीला मुखर्जी, 35. श्री जयसिंह श्याम लाल,
36. श्रीमती पूनम बी० पंजाबी, 37. श्री सुरेश कुमार
खुराना 38. श्रीमती लिली स्वामी, 39. माल्ती स्याल,
40. श्री ई० एन० नायर, 41. श्रीमती भारती राना,
42. श्री सी० एम० मोहम्मद कुनही पाकिंग स्पेस
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है);

- (4) श्री चन्द्र एल० रहेजा श्री टेकचन्द सी० रेवानी
कनफमिंग पार्टी)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन या मकान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर
खड़ी बाड़ी, किराए के मकान या आवास व बाँचों सहित,
जो डांडा में पाली हिल रोड, के पूर्व की ओर, और बम्बई
नगर व उपनगर के जिले व रजिस्ट्री उप-जिले में मौजूद
है, माप से 2071 वर्ग मीटर है जो 2477 वर्ग गज के बराबर
या उसके आस पास या उससे कुछ कम या ज्यादा हो सकता
है और ठाणे के राजस्व कलक्टर द्वारा कृषितर सर्वे नं०
87 के अधीन रजिस्ट्री है और बान्द्रा की म्यूनिसिपैलिटी
द्वारा घर नं० 39, जिला पाली हिल के अधीन निर्धारित
(असेस) होता है तथा इसके सी० टी० एन० नं० 1349,
1350 व 1351 हैं और उत्तर की ओर सिटी० सर्वे नं०
100, पूर्व की ओर सिटी सर्वे नं० 313, दक्षिण की ओर
कृषितर सर्वे नं० 97 और पश्चिम की ओर उक्त पाली
हिल रोड, से घिरा हुआ है।

ए० सी० चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

दिनांक : 29 सितम्बर 1978 अर्जन इलाका-2, बम्बई
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अक्तूबर 1978

निर्देश सं० अ० इ० 3/ए० पी० 279/78-79—अतः मुझे,

वी० के० सुब्रामणियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट नं० 70-एन का स्कीम नं० 3 है तथा जो चेम्बूर गार्डन में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तराया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक लाभ का कथित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण के लिए किसी प्राय को बाधन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) उक्त किसी प्राय या किसी धन या अन्य-आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्—

(1) डा० महादेव सीताराम जोशी, 70-एन, सरस्वती डी० मार्ग, चेम्बूर, बम्बई-71 ।

(अन्तरक)

(2) बैंक आफ महाराष्ट्रा 1177, बुधवार पेठ, पुणे-411002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितधर्मी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो चेम्बूर गांव में, बम्बई नगर व उपनगर रजिस्ट्री-जिले व उपजिले में, स्कीम नं० 3, चेम्बूर का प्लॉट नं० 70 एन० है, और जिसका माप भूमि प्रबंधक के नक्शे नं० डी० डी० एस० एस० III 965 ता० 11-5-1928, में 666 वर्ग गज यानी 555.45 वर्ग मीटर दिखाया गया है । उक्त प्लॉट नं० 70 एन० बम्बई नगरपालिका द्वारा मंजूर नक्शे के अनुसार प्लॉट नं० 70 वाले बड़े भू-भाग का अंग है और दक्षिण में प्लॉट नं० 10-के, उत्तर में आंशिक रूप से प्लॉट नं० 70-ओ० व आंशिक रूप से 70-आई नामक निकास, पूर्व में प्लॉट नं० 70-एम० व पश्चिम में प्लॉट नं० 26 और 27 से घिरा हुआ है, उस पर खड़ी तहखाना, तल और ऊपरी मंजिलों वाली इमारत सहित।

वी० के० सुब्रामणियन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इलाका-3, बम्बई

दिनांक : 5 अक्तूबर 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती एम० ए० बारिया

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) मेसर्स, न्यू स्वास्तिक लैंडस्, डेवलपमेंट कार्पोरेशन
(अन्तरिती)

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन रेंज - 4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए० आर० 4/828 भई/78-79—अतः मुझे

आर० एम० पंजवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० 123 ए, 124 (अंश) 65 (अंश) है, तथा जो नाहुर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की जमीनों या मैदान के वे तमाम टुकड़े या भाग जो नाहुर गांव में, रजिस्ट्री उप-जिला बान्द्रा, बम्बई महानगर व उपनगर जिले में हैं, माप 17271.10 वर्गगज (यानी 14440.37 वर्ग मीटर), एस० नं० 123 ए, हिस्सा नं० 1 (अंश) एस० नं० 124 (अंश) व एस० नं० 165 (अंश) और जिसकी सीमा इस प्रकार बनती है: अर्थात् दक्षिण की ओर अंशतः एस० नं० 125 (अंश) वाली जमीन और अंशतः एस० नं० 123 ए हिस्सा नं० 2, वाली जमीन, पश्चिम की ओर वे जमीन जो भारत के राष्ट्रपति को बेच दी गई है और उत्तर व पूर्व में मूलुंड गांव की सीमा है।

आर० एम० पंजवानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक : 13 नवम्बर 1978

मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एन्यू अर्जन III/1667/7/ए० पी०-280/78-79—अतः मुझे, आर० एम० पंजवानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 18 सिटी सर्वे नं० 1074 (1 से 5 तक) है तथा जो वरसोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बान्द्रा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री शारदागिरी जीवनलाल शाह (2) धनसुखलाल जीवनलाल शाह और (3) पद्मा जीवनलाल शाह या पद्मा वीपीनबन्दा पारेख

(अन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल बासुदेव सीखीया (2) विनोद मोहन लाल सीखीया और (3) अशोक मोहनलाल सीखीया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ब में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली : सरकारी जमीन या मैदान, मीरूसियों और परिसरों का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर खड़ी इमारत व ढांचों सहित, और जो "ग्वालियर पैलेस" के रूप में जाना जाता है वरसोवा के रेवेन्यु गांव में रजिस्ट्री उप-जिला बांद्रा, पहले के दक्षिण सालसेट तालुका किन्तु

अब के अंधेरी तालुका, बम्बई उप-नगर जिले अब बम्बई महानगर, में मौजूद है, माप से 2023.4235 वर्ग मीटर या उसके आसपास (यानी 20 गुंठा या 2420 वर्ग गज या उसके आस पास) है, और इसका सर्वे नं० 82 तथा हक रिकार्ड का इंदराज नं० 198 है और इसकी सीमा इस प्रकार है कि पूर्व की ओर अंशतः सार्वजनिक रोड, अंशतः पानी का एक पोखरा और अंशतः जान कासम मोहम्मद खोजा की सम्पत्ति, पश्चिम की ओर एक सार्वजनिक रास्ता जो पहले, सर्वे नं० 82 वाली जमीन का भाग था, उत्तर की ओर सरकारी इमारत स्थल नं० 7 और दक्षिण की ओर हाजी अब्दुल्ला हाजी अहमद का बकाया प्लोट जो पहले मि० क्रिण की थी और अब फामजी कावसजी बाटलीवाला की है।

दूसरी : सरकारी कच्चे की जमीन या मैदान, का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो सब नं० 10 वाली जमीन का अंग है, वरसोवा के राजस्व गांव में रजिस्ट्री उप-जिला बान्द्रा बृहत बम्बई के नगर व उप-नगर जिले पहले के दक्षिण सालसेट तालुका किन्तु अब के अंधेरी तालुका में मौजूद है, माप से 1416.4020 वर्गमीटर या उसके आसपास (यानी 14 गुंठा या 1694 वर्ग गज या उसके आस पास है) और इसकी सीमा इस प्रकार है : कि उत्तर की सर्वे नं० 90 के अंश वाली जमीन, दक्षिण और प्लॉट नं० 6, पूर्व की ओर एक सड़क और पश्चिम की ओर सर्वे नं० 82 वाली जमीन।

और ये कथित जमीनें मीरूसियां और परिसर जो यहां ऊपर पहली और दूसरी बताई गई है, प्लॉट नं० 18 के रूप में जानी जाती हैं और वास्तविक माप से 3637.1484 वर्ग मीटर या उसके आसपास (यानी 4350 वर्ग गज या उसके आसपास) है और जिसका महापालिका वार्ड नं० -714 के स्ट्रीट नं० 34, सात बंगला, सिटी सर्वे नं० 1074 (1 से 5 तक) है।

आर० एम० पंजवानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

दिनांक : 20 सितम्बर 1978 अर्जन रेंज-III, बम्बई
मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० ए०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली-1

4/14क, आसफगली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1 दिनांक 17 अक्तूबर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/3672/78-79/3441—अतः मुझे, कंवरजीत सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1092 है तथा जो कूचा नटवां, चांदनी चोक, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बंसीधर, बृज मोहन, सुपुत्र श्री बाल किशन श्री पदम चन्द, विजय कुमार, सुपुत्र श्री बनवारी लाल, निवासी 1-अन्डर हिल लेन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रतन लाल गुप्ता, सुपुत्र श्री भोला नाथ निवासी 1103, कूचा नटवां, चांदनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) भोला नाथ

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जिसका नं० 1092 है और क्षेत्रफल 225 वर्ग गज है, कूचा नटवां, चांदनी चोक, इलाका नं० 2, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : अन्य व्यक्ति की जायदाद

पश्चिम : श्री ज्ञान चन्द की जायदाद

उत्तर : श्री त्रिलोकी चन्द गोयल की जायदाद

दक्षिण : दरवाजा मकान व गली

कंवरजीत सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 17 अक्तूबर 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० II/3667/78-79/
3441—अतः मुझे कंवरजीत सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 12/3644-3647 है तथा जो गली थानेवाली, सब्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनूसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कुसुम लता, पत्नी श्री विजय कुमार गुप्ता बनाम विद्या कुमार गुप्ता, निवासी मकान नं० XII/3644-47, गली थानेवाली, ओल्ड सब्जी मण्डी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरलीधर सुपुत्र श्री लाल चन्द, निवासी मकान नं० 2929/ XII, आर्यापुरा, ओल्ड सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जिसका नं० XII/3644-47 (नया) है और क्षेत्रफल 120 वर्ग गज है, गली थानेवाली, ओल्ड सब्जी मण्डी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० XII/3648

पश्चिम : गली

उत्तर : गली

दक्षिण : जायदाद नं० XII/3643

कंवरजीत सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 17 अक्टूबर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्तूबर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/3673/78-79/
3441—अतः मुझे, कंवरजीत सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जी-7 है तथा जो मानसरोवर गार्डन, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक मार्च, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धारता :—
4-366GI/78

(1) श्री खान चन्द शर्मा तथा श्री ज्ञान चन्द शर्मा, सुपुत्र
पं० उत्तम चन्द निवासी मकान नं० 69-बी, ब्लाक
नं० 'निल', मालविया नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री भूपिन्द्र पाल (2) सतीश चन्द्र (3) गुलशन
कुमार, सुपुत्र श्री राम लाल, निवासी ए-2/59,
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-1।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका नं० 7, ब्लाक नं० 'जी' है और क्षेत्रफल
459 वर्ग गज है, मानसरोवर गार्डन, बसाएदारापुर गांव,
दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० जी-8 (बना हुआ)

पश्चिम : रोड़

उत्तर : लेन

दक्षिण : रोड़

कंवरजीत सिंह

सजम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 17 अक्तूबर 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) मैसर्स डेलटन केबल कं० 3455/57, दिल्ली गेट, नई दिल्ली।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स डेलटन केबल इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 24-दरियागंज, नई दिल्ली।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 सितम्बर 1978

निदेश सं० बीजीआर/डी एल आई/14/77-78—अतः

मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 46 कनाल इमारत के साथ है है तथा जो 17/4 माइल स्टोन मथुरा रोड, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, पौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिनियम, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 46 कनाल इमारत के साथ जो 17/4 माइल स्टोन मथुरा रोड फरीदाबाद में स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 210 में दी है और जो के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली के कार्यालय में 29-3-1978 को लिखी गई।"

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 13 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक दिनांक 22 सितम्बर 1978

निदेश सं० बी० जी० आर०/43/77-878—अतः मझे रवीन्द्र कुमार पठानिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० इन्डस्ट्रियल प्लॉट नं० 93, सेक्टर 24 है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर देत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(1) श्रीमती पुष्पा अग्रवाल, पत्नी श्री आर० पी० अग्रवाल
(2) श्री सुरेश अग्रवाल पुत्र श्री आर० पी० अग्रवाल
मार्फत मैस० फरीदाबाद अमेरी तथा इन्जीनियरिंग
क० फरीदाबाद

(अन्तरक)

(2) मै० माया मशीन टूल्स, प्लॉट नं० 92, सेक्टर 24,
फरीदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-अरी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

औद्योगिक प्लॉट नं० 93, सेक्टर 24, फरीदाबाद
(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बल्लभगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5976 तिथि 31-3-198 पर दर्ज है)

रवीन्द्र कुमार पठानियां
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 22 सितम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 नवम्बर 1978

सं० 184/78-79—यतः मुझे (के० एस० वेंकट रामन)
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 4-1-824/2 है, जो जे० एन० रास्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राजकुमार गुप्ता पिता रूप किशोर गुप्ता
घर नं० 17/4 विज्ञानपुरी हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री मास्टर हरीश कुमार मनर /गारडीन पिता श्री
रामवतार, मैसर्स राम मेलाकानीकस घर नं०
5-4-17 जे० एन० रास्ता हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 4-1-824/2 जवाहरलाल नेहरू रास्ता हैदरा-
बाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1186/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 7 नवम्बर 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 नवम्बर 1978.

नं० 185/78-79—अतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-824/1 है, जो जे० एन० रास्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राज कुमार गुप्ता पिता रूप किशोर गुप्ता 17/4 विशानपुरी हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुनावती बाई पती श्री राजेन्द्रा प्रसाद धर नं० 21-7-867 शानदी बाजार, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जमुषी

मसगी नं० 4-1-824/1 जवाहरलाल नेहरू रास्ता हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1187/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 7 नवम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 नवम्बर 1978

सं० 186/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-824/3 है, जो जे० एन० रास्ता में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन मार्च 78 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीतः—

(1) श्री राज कुमार गुप्ता पिता रूपकिशोर गुप्ता घर
नं० 17/4 विशानपुरी हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री मुसाबाई पिता श्री हसमभाई घर नं० 5-7-288
नया आगापुरा हैदराबाद
(अन्तरीति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 4-1-824/3 जे० एन० रास्ता हैदराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1200/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 7 नवम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० 187/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन),
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है
और जिसकी सं० 22-7-282 हैं, जो दीवानदेवडी हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आजमपुरा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन मार्च 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० एच० असकरी घर नं० 6-3-1102/ए
सोमाजीझंडा, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री मास्टर अब्बासअली जेडकर पिता हाजी महमद
जेडकर (मैनर) उनके पिता श्री हाजी महमद
जेडकर मदीना होटल हैदराबाद

(2) कुमारी जहान बीबी पिता हाजीमहमद
जेडकर रकवाल पिता है हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 22-7-282 धोलुकाना के पास दीवान देवडी
के पास हैदराबाद रजिस्ट्री दास्तावेज नं० 583/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय आजमपुरा हैदराबाद में

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 8 नवम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० 188/78-79—यतः मुझे (के० एस० वेंकट रामन) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-6-364/1/2/3 है, जो बशीरबाग हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्वय प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न किया हो गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

(1) डाक्टर सुनील कुमार मोदी (जी० पी० ए०)
डाक्टर सी० एल० मोदी और श्रीमती प्रमिला मोदी पत्नी डाक्टर सी० एस० मोदी 3-6-364
लीबरटी बुलडिंग बशीरबाग हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री पी० जी० अदानी घर नं० 1-1-269 धीकडब
पल्ली हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया या है।

अनुसूची

मलगी नं० 3-6-364/1/2/3 (300 वर्ग फीट) लीबरटी
मकान बशीरबाग हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 824/78
घोनट उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 8 नवम्बर 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 416/ एकुरे० रज-III /78-79/कल. —

अतः मुझे भासकर सेन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फेट सं० एकतन्त्रा पर है तथा जो हमन्डेमिल गार्डनस, कलकत्ता, में स्थिति है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1) के अधीन, तारीख 10-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

5-366GI/78

1. मे० सेलीनी आनारशिप लफ्टल स्कीम प्रा० लिमि०
6, हेरिटन स्ट्रीट, कलकत्ता-16 (अन्तरक)

2. श्रीमती रेनुकना मजुमादार 82 बालीबगंज गार्डनस,
कलकत्ता-16 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुच्चालक सं० एच०-1 तहला पर जो 2 मन्डमिल गार्डनस, कलकत्ता पर अवस्थित 'जयजयन्ति' नामका मकान में स्थित है।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज-III कलकत्ता-16

दिनांक 8-11-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 417/एकुरे III/78-79/कल०—अतः मुझे भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट बी, चारतल्ला पर है तथा जो 2, मन्डेमिल गार्डेंस, कलकत्ता में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्रावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मे० सेलोनी श्रीनारशिप फ्लैट्स स्कीम प्रा० लिमि० 6, हेरिटन स्ट्रीट, कलकत्ता-16 (अन्तरक)

2. श्रीमती रेनु सेन 112 ए०, श्यामबाजार स्ट्रीट, कलकत्ता-5 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुचा फ्लैट सं० बी०—8 तल्लापर जो 2, मन्डेमिल गार्डेंस, कलकत्ता पर अवस्थित 'जययन्ति' नामका मकान में स्थित है।

भास्कर सेन,
सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज III

54, रफोअहमद किदवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख 8-11-1978

मोहर :

प्रथम आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 418 /एकुरे /78-79/ कल०—

अतः मुझे, भास्कर सेन,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन प्रथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 'फ्लट' ई०, तिनतल्ला पर है तथा जो 2, मन्डेमिल गार्डनस, कलकत्ता स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के (और कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :-

1. मे० सेलोनी ओनरशिप फ्लैट स्कीम प्रा० लि०
6, हेरिटन स्ट्रीट, कलकत्ता-16 (अन्तरक)

2. श्रीमती रबीमण्डल, 6/4 फार्न रोड कलकत्ता
(अन्तरितगी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

समुच्चा फ्लैट सं० ई०—तिनतल्ला पर जो 2, मन्डेमिल गार्डनस, कलकत्ता पर अवस्थित 'जयजयन्ति' नामका मकान में स्थित है ।

भास्कर सेन

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 54, रफीग्रहमद किदवई रोड
कलकत्ता-16

तारीख 8-11-1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आर० 128/एक्यु०—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है और जिसकी सं० 596 है तथा जो दरयाबाद, इलाहाबाद में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हजोनरा बेगम (अन्तरक)
2. श्रीमती रहमतुन्तिला, (अन्तरिती)
3. श्री रहमतुन्तसा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 596 दरियाबाद, इलाहाबाद के सम्पत्ति का वह सब विवरण जो कि फार्म 37 जी संख्या 1146 व सेल डीज में वर्णित है जो कि सब-रजिस्ट्रार, इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 17-3-1978 को पंजीकृत हुए हैं।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख 13-11-78
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 नवम्बर 1978

निदेश सं० डी०-32/एक्यू—अतः मुझे, अमर सिंह
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट, 206, है तथा जो मौजा भगवान पुर,
वाराणसी में स्थित है (और इससे उवाच्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय भी बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
अध्याय (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री द्वारका नाथ कौल (अन्तरक)

3. श्रीमती डी० इशरत (अन्तरिती)

3. श्री द्वारका नाथ कौल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 206 क्षेत्रफल 1500 वर्गमीटर स्थित मौजा
भगवान पुर, परगना बेहात अमानत, वाराणसी व सम्पत्ति
का वह सब विवरण जो सेल डी० और फार्म 37-जी संख्या
2616 में वर्णित है और जोकि सब रजिस्ट्रार वाराणसी के
कार्यालय में दिनांक 29-3-1978 की पंजीकृत है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख 20-11-1978।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर कार्यालय

दिनांक 31 अगस्त 1978

निर्देश सं ए एस और 78/79-79—यतः मुझे एन० पी० साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एच० एम० 2590/ए/7 और 1367/viii-8, एम सी ए चौकमुस्री अमृतसर है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी :—

1. श्री किशोरीलाल अग्रवाल पुत्र दुर्गादास अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री जांसीशराय अग्रवाल पुत्र शाम दास अग्रवाल बाजार कठिया अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० रमे है। और यदि कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई मनुष्य जो सम्पत्ति रूचिरखता हो (जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2590/A/7 और 1367/viii-8 एम सी ए मुस्री चौक अमृतसर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3471 दिनांक जनवरी 1978 की रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में लिखा है।

एन० पी० साहनी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31-8-1978.

मोहर :

प्रकरण साई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए. एस आर/78-79/52—यतः मुझे एन० पी० साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति प्लॉट नं० 45, कटडा कनईया, बाजार पशमवाला अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट :—

1. श्रीमती सरसवती विधवा संत राम, कटडा कनईया, अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री करशन लाल पुत्र संत राम, प्लॉट नं० 45 कटडा कनईया, बाजार पशमवाला, अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. और व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 45, कटडा कनईया अमृतसर शहर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3568 है जो जनवरी 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर शहर में लिखा है।

शिपी० एन० साहनी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12 सितम्बर, 1978।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक 4 अक्टूबर 1978

निदेश सं० ए० एस० आर०/78-79/61-यतः सुप्ते एन० पी०
साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 875/IV-16-533/IV 16
कटडा मोहर सिंह अमृतसर, है तथा जो कटडा मोहर सिंह में
स्थित (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शिदर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 27-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थी

1. श्री अरीदम जैन, राज कुमार जैन सुपुत्र श्री
जसवंत मल जैन रुई मंडी, सदर बाजार दिल्ली through
श्री तिलक राज पुत्र श्री परेम चन्द, Kt. खजाना मोती मोहल्ला,
अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री परेम चन्द पुत्र करम चन्द मकान नं०
875IV- 16/533IV 16 कटडा मोहर सिंह अमृतसर-
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 ऊपर में है या कोई कि रायेदार हो
तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई व्यक्ति जो कि इस सम्पत्ति में रुचि
रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 875/IV-16-533/IV-16- कटडा मोहर
सिंह अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4375 है जो मार्च
1978 को अमृतसर शिदर रजिस्ट्रिंग अथारिटी अमृतसर
शिदर में है।

एन० पी० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4 अक्टूबर, 1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अगस्त 1918

निर्देश सं० एल० सी० 228/78-79—यतः मुझे पी०
ओ० जार्ज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिस सं० अनुसूची के अनुसार है, जो मणतला में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चावक्काड में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन
11-3-1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य छास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में
यह उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी:—
6-366 GI/78

1. कुन्जम्मा (2) वैश्विक

(अन्तरक)

2. सी० बी० शंकरण

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

1.85 acres of agricultural land as per schedule to document
No. 314/78 dated 11-3-1978.

पी० ओ० जार्ज
समक्ष प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, एरणाकुलम

दिनांक 21-8-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

- (1) 1. Smt. Retnamma.
2. Sri Sugathan.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, एरणाकुलम,

कोच्चिन-16, दिनांक 25 अगस्त 1978

निर्देश सं० एल० सी० 238/78-79-यतःमुझे के० नारायणमेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची में अनुसार है, जो आलेख्य में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलेख्य में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-1978।

को पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(अन्तरक)

- (2) Smt. Rajamony.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

34 cents of land and buildings in Alleppey vide Schedule to Document No. 714/1978.

के० नारायण मेनोन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 25-9-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 25 अगस्त 1978

निदेश सं० एल० सी० 239/78-79—यतः मुझे के० नारायणमेनोन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (भस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. डाक्टर, शान्ता कुरुप 2. श्रीमती, सुवर्ण-कुमारी (अन्तरक)

(2) श्री 1. वी० के० श्रीनिवासन 2. श्रीमती, विनयशोमनी (अन्तरिती)

(3) पालाय सेंट्रल बैंक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/3rd sight over 35 cents of land and building No. 35/74 of Cochin Corporation—vide Schedule to Document No. 883/1978.

के० नारायणमेनोन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 25-9-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, सरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 7-10-1978

निर्देश सं० एल० सी० 241/78-79—यतः मेसे वी०

मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तिरुवनन्त-
पुरम, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
तिरुवनन्तपुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 31-3-1978।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्रीमती एल० बाबुबाणि अम्मा and 7 othe
(अन्तरक)

- (2) श्रीमती अर० गीता वसन्त
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30-दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

41 cents 672 sq. links of land with buildings in Sy. No.
1269 of Vanchiyoon village.

बी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, एरणा-

तारीख : 7-10-1978

मोहर :

प्रकृष माई० टी० एन० एस०—

1. श्री बी० माथवन तपी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री पी० एस० मोहनन नायर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

3. रीजनल डप्युटी डिरक्टर आफ पबलिक इनस्ट्रक्शन,
ट्रिवान्द्रम।(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

अर्जन रेंज, सरणाकुलम

कोचीन, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

निदेश सं० एल० सी० 242/78-79—यतः मेसे बी०

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तिरुवनन्तपुरम
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
तिरुवनन्तपुरम, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 15-3-1978।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसू 1

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

444 cents of land with buildings in Sy. No. 1232, 1230,
1231/A of Palkulangara village.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

बी० मोहनलाल
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 12 अक्टूबर, 1978

मोहर :

प्राकृतिक आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० एल० सी० 243/78-79—यतः मुझे, श्री० मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है,

और जिनकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कोर्टयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोर्टयम में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोर्टयम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूची में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती संनबा श्री० वी०

(अन्तरक)

(2) श्री डी० ए० सैदमुहम्मद

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती-हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

64 cents of land with buildings in Sy. No. 8/6A/3/37 of Kottayam Village.

[श्री० मोहनलाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, अरणाकुलम

तारीख: 7-10-1978

मोहर।

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एरणाकुलम

कोचीन-16 तारीख 9 अक्टूबर 1978

निवेश सं० एल० सी० 244/78-79—यतः मुझे,
वी० मोहनलाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोमिलोण
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, केविकोण में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 14-3-1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भूम्य प्राप्ति को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बी० गुणपोलम्माल

(अन्तरक)

(2) श्री एल० कुन्जकुन्ज

(अन्तरिती)

(3) श्री वेनकटाचला रेडियार और अन्य (वह व्यक्ति
जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

40 cents 175 sq. links of land with buildings in Onilon
village Sy. No. 8593, 8594, 8595.

वी० मोहनलाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज- एरणाकुलम

दिनांक : 9-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री अन्नपूरनी (अन्तरक)

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० वीरमनी और तीन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1978

निदेश सं० 3 से 6 मार्च 1978—यतः, मुझे, ओ०

आनन्दराम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० है जो तडंगम गांव, दरमपुरी तालुक
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर०
ओ०, दरमपुरी नगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16 के अधीन 4-2-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अगरीकलचरल लेड्स- 670 . एकड़ और टेराड
विलडिन्सज 2000 स्कोयर फट अट तडंगम वील्लेज,
दरमपुरी तालुक।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 29-8-1978
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 28 मार्च 1978—यतः मुझे श्री० आनन्दराम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 27/28, है, जो यगमूर है रोड, मद्रास-8
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जा० सब-रजिस्ट्रार
मद्रास नगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 25-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में
कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

7-366GI/78

(1) श्री मोहमद बाग अबदुल हुसैन (अन्तरक)

(2) श्री शीफाकाना II इयेदना यूसुफ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और वीलडींग्स, सं० 27/28 (ओलड सं०
21/22), यगमूर है रोड, यगमूर, मद्रास।

श्री० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 19-9-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20, सितम्बर 1978

निदेश सं० 18/मार्च/78—यत् मुझे श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० डेपो सं० 200 है जो नेहरू टीम्बर मार्केट वेपेरी मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार पेरीयमेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कयी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :--

- (1) श्री पी० सीवप्रकाश मूदलीयार (अन्तरक)
- (2) श्री रामजी ओपाल पटेल (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डेपो सं० 200, "नेहरू टीम्बर मार्केट, सैडेन्डास रोड, वेपेरी, मद्रास।

श्री० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 20-9-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

(1) श्री चिन्नदुरै और एक

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गणेशन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)-

अर्जन रेंज- I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 9 मार्च 1978—यतः, मुझे श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है जो उत्तमपूरम गांव में स्थित है (और इससे उपाख्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ओ० कमबम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्री में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4.98 acres of dry garden land in Uthamapuram Vge.

श्री० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 30-9-1978

मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 1978

निदेश सं० 10 मार्च 1978-यतः मुझे ओ० आनन्दराम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० है जो उत्तमपुरम गांव में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता
अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ओ०
कमबम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 10-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के बिना तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या धन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री वी० चंद्रसेकरन और एक (अन्तरक)

(2) श्री के० मूरुगेशन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

4. 98, एकरस डीरे भूमि, उत्तमपुरम गांव में।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज - I, मद्रास

तारीख 30-9-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 1978

निवेश सं० 25 मार्च 1978—यतः, मेझे ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7, है जो अकील कीटन्गु स्ट्रीट, रामनादपुरम डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० रामनादपुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पी० एम० मुस्तफा (अन्तरक)

(अन्तरक)

(2) श्री एस० अबदुल हासन (अन्तरिती)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान, 7, अकील कीटन्गु स्ट्रीट, रामनादपुरम डिस्ट्रिक्ट।

ओ० आनन्दराम
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 30-9-1978

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास दिनांक 30 सितम्बर 1978

निदेश सं० 33/मार्च 1978—यतः, मुझे श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' हा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो सेतुरायन पुदूर गांव पवर गांव और वेंकटरंगपुरम गांव तिरुनेलवली डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० तिरुनेलवली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-3-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) श्री सामी प्रकट लिमिटेड (अन्तरक)

(अन्तरक)

(2) अगरीकलचरल फार्म लिमिटेड (अन्तरिती)

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

53.75 एकरस भूमि सेतुरायनपुदूर गांव, तिरुनेलवली डि० में, 50.00 एकरस भूमि पुदूर गांव में, और 12.13 एकरस वेंकटरंगपुरम गांव में।

श्री० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 30-9-1978।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० 37 मार्च 197—यतः, मुझे श्री० आनन्दराम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 31 और 32, है, जो खानपालयम फोर्ट स्ट्रीट
मदूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस०
आर० श्री० II मदुरे में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वाचन उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्-
तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पाप्त गंगा देवी (अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० मरोजा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2340 स्कोयर फूट भूमि और मकान 31 और 32 खान-
पालयम फोर्ट स्ट्रीट, मदूर।

श्री० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 4-10-78
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास,

मद्रास, दिनांक 3 नवम्बर 1978

निदेश सं० 8165—यतः, मुझे टी० ० जी०

कृष्णमूर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है, जो श्रीनगर कालोनी, मद्रास, 15 में स्थित है (और इससे उभावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैदा मद्रास (ठाक सं० 296/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती स्वरनम रमनी, श्री आर० राममूर्ती और श्रीमती विजयलक्ष्मी (प्रबागर)

(अन्तरक)

(2) एस० पी० एस० एस० रासपी, सुश्रमनीय चट्टीयार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर अट सं० श्रीनगर कालोनी, मद्रास-15

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ती

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 3-11-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जी० एम० मोहम्मत् ईसहमायिल (अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री के० बाडिराजा (अन्तरिती)

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज-II मद्रास,

मद्रास, दिनांक 3 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 8136—यतः मुझे टी० वी० जी० कृष्ण-

मूर्ति,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 23/373, है, जो श्रीफनकार स्ट्रीट कोयम-बासूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पण्ड रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम-बासूर डाकूमेन्ट सं० (580/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीमें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

भूमि और घर अड 23/373, श्रीफनकार स्ट्रीट, कोयमबासूर

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तिबों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II मद्रासअतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसार
मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जून 1978

निर्देश सं० 966/अर्जन/मथुरा/7778—प्रतः मुझे प्रार० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1 श्री मोती लाल खेतान प्लॉट नं० 5 माधो निवास वृन्दावन जिला मथुरा

(अन्तरक)

2 श्री आनन्दमयी आश्रम वृन्दावन, जिला मथुरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग माधो निवास प्लॉट नं० 5 वृन्दावन जिला मथुरा 65,000 के विक्रयमूल्य ने बची गयी।

प्रार० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 16-6-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निर्देश नं० अर्जन/3/कन्नौज/1978-79/2026—अतः मुझे
आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०..... है तथा जो.....में स्थित
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कन्नौज में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख माघ 78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्ग
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुखदेव बहादुर सिंह पुत्र देवेन्द्र सिंह निवासी लोहामढ़
परगना व तह० कन्नौज जिला फर्रुखाबाद (अन्तरक)
2. श्री तुलाराम व खुशीराम पुत्र जुग्गा निवासी नण्डुबी
मौजा राजामऊ पी० लोहामढ़ परगना व तह० कन्नौज
जि० फर्रुखाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल कृषि सम्पत्ति 7-91 एकड़ स्थित लोहामढ़ कन्नौज
जिला फर्रुखाबाद 78900/- में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर)

तारीख: 28-9-78

मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जून 1978

निदेश नं० अर्जन/14/मथुरा/77-78/2027—अतः मुझ,
आर० पी० भार्गव

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०..... है तथा जो..... में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री लव खत्री खुद व भक्तारशाम कुश खत्री व सत्यदेव ख
निवासी क्रमशः अमेरिका व लन्दन व श्रीमती कृष्णा
खत्री निवासी डैम्पियर नगर, मथुरा (अन्तरक)

2. श्री प्रोन प्रताप व गोपाल दास निवासी सतवड़ा जिला
मथुरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति नं० 1896/7 डैम्पियर नगर, मथुरा 90,000 में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक प्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 28-6-78
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जून 1978

निदेश नं० अर्जन/12/मथुरा/78-79/2029—अतः मुझे,

आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं०..... है तथा जो.....में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-3-78
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. फतेह लाल व रतन लाल पुत्रगण रमन लाल उमश पुत्र
फतेह लाल हेमत पुत्र रतन लाल निवासी डैम्पियर नगर, मथुरा
(अन्तरक)

2. श्री राम बाबू पुत्र ग्यासी राम भरतपुर दरवाजा मथुरा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि व मकान नं० 102/5 भरतपुर दरवाजा जिला मथुरा
65,000 में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 28-6-78
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जून 1978

निदेश नं० अर्जन/13/मथुरा/78-79/2030—अतः मुझे,
आर० पी० भार्गव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी स०..... है तथा जो.....में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-3-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री फतेह लाल व रतन लाल पुत्रगण रमन लाल, उमश
पुत्र फतेह लाल व हेमन्त पुत्र रतन लाल निवासी डैम्पियर
नगर मथुरा (अन्तरक)
2. श्रीमती विद्या देवी स्त्री बिहारी लाल व बिहारी लाल
पुत्र मोती लाल निवासी भरतपुर दरवाजा जिला मथुरा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि व भवन नं० 102/10 भरतपुर दरवाजा बट्टीनगर मथुरा
55,000 में बेची गयी ।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख: 28-6-78
मोहर:

पहला भाई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 जुलाई 1978

निदेश नं० अर्जन/10/इटावा/78-79/—अतः मुझे, एल०
एम० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं०..... है तथा जो.....में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इटावा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख माच 78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अप्रतिभों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गोमती देवी पुत्री दुलाराम स्त्री बादन सिंह निवासी
बिहारी भटपुरा पो० गीजा जिला इटावा (अन्तरक)
2. श्री कृपाल सिंह (व्यस्क) विजयपाल सिंह इन्द्रपाल सिंह,
चन्द्रपाल सिंह (ना० बा०) द्वारा छेदीलाल (पिता) व

श्री छेदीलाल पुत्र सूरज पाल सिंह, साधू सिंह, नाथूराम,
छोटे लाल पुत्रगण हजुरी सिंह निवासी धमना की मठ्या
डा० अजबपुर जि० इटावा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 16-19 एकड़ (1/2 भाग) स्थित ग्राम धमना
जिला इटावा 24,000 में बेची गयी।

एल० एन० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 26-7-78
मोहर:

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 सितम्बर 1978

निदेश नं० 18070/अर्जन/मेरठ/77-78—अतः मुझे बी०
 सी० चतुर्वेदी
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु० से अधिक है
 और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-3-78
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त
 अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
 के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में
 सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तिओं
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
 अनुवर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
 उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शोमवती पत्नी महेन्द्र कुमार गर्ग एडवोकेट
 85, नवयुग मार्केट गा० बाद (अन्तरक)

2. मैसर्स फतेहचन्द जगमंदर दास जैन 73 दालमंडी, सबर,
 मेरठ द्वारा श्री जगमंदर दास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
 वाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में
 परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
 में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग नं० 73 स्थित दालमंडी
 सदर मेरठ कैन्ट 35,000 के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 20-9-78
 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 सितम्बर 1978

निदेश नं० 1054/अर्जन/हरिद्वार/78-79—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

9—366GI/78

1. श्री राम किशोर दास चेला श्री बलदेव दास मुख्तार भाग महंत बलदेव दास चेला महंत हरिहर नि० राम मंदिर देवलम रोड खारा बम्बई-52 (अन्तरक)

2. श्री डाक्टर आनन्द प्रकाश मेहता पुत्र श्री सीताराम मेहता नि० माफेत, श्रवण नाथ नगर हरिद्वार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग नं० 232 श्रवणनाथ नगर हरिद्वार 70,000 के विक्रय मूल्य में बेची गयी ।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 20-9-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 सितम्बर, 1978

निर्देश नं० अर्जन/169/आगरा/78-79—अतः मूले बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देलही में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-3-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जी० एल० सिप्स्टोन, सोगानी भवन लाल कोठी एवरेस्ट कालोनी जयपुर-302004 (अन्तरक)

2. श्री विवेक लाल सी-3/1 सफदरगंज इनक्लेव नई दिल्ली-16 (अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति भूमि व भवन नं० 62 खण्डारी रोड, आगरा 88,000/-में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रंज, कानपुर

तारीख: 25-9-78
मोहर:

प्ररु आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 सितम्बर, 1978

निदेश नं० अर्जन/135/औरैया/78-79—अतः मुझे बी० सी०
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं०..... है तथा जो.....में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय औरैया में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
21-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्री खूरद पुत्र राम किसन निवासी ग्राम मिहौली पो०
पनहर परगना औरैया जिला इटावा (अन्तरक)
2. श्री हरीदत्त पुत्र बालकराम बुवे निवासी ग्राम मिहौली
पो० पनहर परगना औरैया जिला इटावा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल कृषि सम्पत्ति 4.30 एकड़ स्थित ग्राम मिहौली परगना
औरैया जिला इटावा 23000) में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 26-9-78
मोहर:

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1978

निदेश नं० अर्जन/56-ए/देहरादून/78-79—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-3-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मेजर पाल सिंह सिद्धू पुत्र स्व० स० भगवान सिंह सिद्धू निवासी मकान नं० 448, सैक्टर 35-ए चन्डीगढ़ (अन्तरक)

2. श्रीमती रमा प्रसाद पत्नी स्व० रामेश्वर प्रसाद निवासी 2/1415, नन्द कुटीर एहमद बाग देहली रोड, सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति नं० 3 टरनर रोड क्लेमेंट टाऊन, देहरादून में स्थित है। जिसका हस्तांतरण 80,000/- में हुआ है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-10-78
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1978

निदेश नं० अर्जन/977/कानपुर/77-78—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-3-78 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) घन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्ति्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स एच० टी० कैमिकल्स लेओट्रीज, 97 इण्डस्ट्रियल स्टेट, कानपुर (अन्तरक)

2. श्री प्रवीन चन्द्र पुत्र मथुरा दास निवासी 50/222 दालसी रोड, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

अचल सम्पत्ति नं० 97 जो कि इण्डस्ट्रियल स्टेट कालपी रोड पर स्थित है। जिसका हस्तांतरण 1,00,000) में हुआ है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-10-78
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश नं० अर्जन/1/कोच/78-79—अतः मुझे, विजय भार्गव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०..... है तथा जो..... में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोच, जालौन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री अब्दुल समद पुत्र बनजीरखां ग्राम छानी कोच हाल, भगत सिंह नगर कोच, जालौन (अन्तरक)
2. श्री राम सिंह व रामजी पुत्र टीका राम ग्राम मैनपुरा पो० गुरावली जि० जालौन (अन्तरिती)
3. श्री राम सिंह व रामजी पुत्र श्री टीका राम ग्राम मैनपुरा पो० गिरावली जिला जालौन (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 14-43 एकड़ स्थित ग्राम छानी भगत सिंह नगर कोच 66435/- में बेची गयी ।

विजय भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख: 4-11-78
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश नं० अर्जन/20/मेरठ/77-79—अतः मुझे, विजय भार्गव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं०..... है तथा जो.....में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्रीमती सूर्यबाला गुप्ता श्री सुरेशचन्द्र गुप्ता 274
मुनिया मोहला मेरठ कैन्ट (अन्तरक)

2. श्री ग्यानसिंह पुत्र फकी शाह, गुलजीत सिंह व जसपालसिंह
पुत्रगण श्री ग्यानसिंह निवासी बी०/एफ० 31 टैगोर
गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

3. जैसा कि 1 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सरीला लाज व माल साइड वर्तमान नाम होटल बुडलैण्ड स्थित दि माल मंसूरी रोड़ क्षेत्रफल 60 एकड़ 130,000 में बेची गयी जिसका कि बाजारी मूल्य 2,76,300 है।

विजय भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 4-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती के० रामशेषम्मा प्रसादमपाडु (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री बी० सुब्बाप्पासाती गुनादका (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० 781—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 57/1 है, जो प्रसादमपाडु में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-3-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
जें, नै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाँक्षिक अन्त 15-3-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 795/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
एम० वि० अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 31-8-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पठान बिक्रु विजयवाडा (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री वि० सूर्यनारायण विजयवाडा (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 अगस्त, 1978

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

सं० 782—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 249/2 है, जो जक्कामपुडी में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत, से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी में पाक्षिक अंत 15-3-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 884/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम वि अर्जन रेंज, काकीनाडा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 31-8-78

मोहर :

प्ररूप घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० 783—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1/115 है, जो बोम्मलूरु में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, गुड्डिवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

एन०, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एल० सीतारामन्जेनयुलु, को बोम्मलूरु। (अन्तरक)

2. श्री एल० श्रीलक्ष्मीवरप्रसूनामया बोम्मलूरु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुड्डिवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पंक्षिक अंत 15-3-78 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 677/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
एम वि अर्जुन रज, काकीनाडा

तारीख: 31-8-78
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती एम० लक्ष्मीनरसम्मा विजयवाडा (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. श्री सी० एच० वज्रकुमारी, विजयवाडा (अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 अगस्त, 1978

सं० 784—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० II/38पी है, जो माचवरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तिर्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किमे जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-3-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 813/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम वि अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 31-8-78

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० 785—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० II/38पी है, जो माजबरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती एम० लक्ष्मीनरसम्मा, विजयवाड़ा (अन्तरक)

2. कुमारी सि० एच० वज्रकुमारी, विजयवाड़ा (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-5-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2182/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम० वी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 31-8-78

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 सितम्बर, 1978

सं० 790—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एच 63/3 है, जो एलूरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकारी अधिकारी के कार्यालय, एलूरु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) एस० सुब्रह्मन्य चक्रधर (2) एस० रामानारायण राव (3) एस० गिरिधर गोपाल एलूरु (अन्तरक)

2. श्री यालंगड्डा स्वर्नलता एलूरु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एलूरु रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-3-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1028/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम० वी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 14-9-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 सितम्बर, 1978

सं० 791—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है;

और जिसकी सं० 463/3 है, जो एलूरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एलूरु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एम० सुब्रह्मन्या चक्रधर (2) एस० रामा नारायणराव
(3) एस० गिरिधर गोपाल एलूरु।
(अन्तरक)

2. श्री यार्लगुट्टा जगन मोहन राव एलूरु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एलूरु रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-3-78 में पंजी-
कृत दस्तावेज सं० 1029/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
एम० वी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 14-9-78
मोहर:

प्रश्न आई०टी०एन०एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० 792—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 13-4-3 है, जो विजयनगरम में स्थित
है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयनगरम
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 14-3-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाधे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति बी० रामबाई विजयनगरम (अन्तरक)

2. श्री अरूनकुमार मुरारका विजयनगरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विजयनगरम रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी से पौक्षिक अंत 15-3-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 893/78 में निगमित अनुसूची
संपत्ति।

एन के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम० बी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 14-9-1978
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 सितम्बर, 1978

सं० 797—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 134/2 है, जो रामाकरप्पाडु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री एन० सत्यन्तारायणन विजयवाडा (अन्तरक)

2. श्री हिंदुस्तान सुगरस विजयवाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1045/68 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम वी अर्जन रेंज, काकिनाडा

दिनांक 23-9-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 सितम्बर 1978

सं० 798—यतः सुक्षे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 135/1 है, जो रामावरणाड में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 21-3-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

11-366 GI/78

1. श्रीमति एन० सीतामहलक्ष्मी विजावाडा
(अन्तरक)

2. हिन्दुस्तान सुगरस विजयवाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 31-3-78 में
पंजीकृत वस्तावेज नं० 1046/78 में निगमित अनुसूची
संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 23-9-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 सितम्बर 1978

सं० 799—अतः मुझे एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 1621 है, जो पालाकोल में स्थित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पालाकोल में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनांश
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
निम्नलिखित व्यक्तियों, के अधीन अर्थात् :—

1. श्री एन० पापाराव (2) एन० वेंकटासुब्बाराव
(3) एन० वेंकटा रामाकृष्ण पालाकोल । (अन्तरक)

2. श्रीमति जि० सर्वन मुखी पालाकोल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

हरष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पालाकोल रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 383/78 में निगमित अनुसूची
संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 23-9-78
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 23 सितम्बर, 1978

सं० 800 —अतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 30-1-20 है, जो पालाकोल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालाकोल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन मार्च, 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

1. श्री एन० पापाराव (2) एन० वैकटामुखाराव (3) एन० वैकटारामाकृष्ण पालाकोल (अन्तरक)
2. जि० राधाकृष्णमूर्ति पालाकोल (अन्तरिती)
3. श्री बि० रामाचन्द्राराज (2) एम० कृष्णमूर्ति पालाकोल (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पालाकोल रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 384/78 में निगमति अनुसूची संपत्ति।

एन० के० रानागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 23-9-78
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 सितम्बर 1978

सं० 801—अतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1621 है, जो पाकाकोल में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालाकोल में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एन० पापाराव (2) एन० वेकटा सुब्बाराव
(3) एन० वेकटारामाकृष्ण पालाकोल (अन्तरक)

2. श्रीमति जि० चिट्टी अम्माजी पालाकोल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पालाकोल रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 385/78 में निगमित अनुसूची
संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 23-9-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी०एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 सितम्बर 1978

सं० 802—अतः मुझे, एन० के० नागराजन
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 30-1-26 है, जो पालाकोल में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पालाकोल में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च, 78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अर्थात :—

1. श्री एन० पापाराव (2) एन० वेंकट सुब्बाराव
(3) एन० वेंकटरामाकृष्ण, पालाकोल (अन्तरक)
2. श्रीमति जि० लक्ष्मीकान्तम पालाकोल
(अन्तरिती)

3. श्री बि० रमचन्द्राजु (2) जि० अप्पाराव, पालाकोल
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पालाकोल रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-78 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 386/78 में निगमति अनुसूची
संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा,

दिनांक : 23-9-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 सितम्बर, 1978

दिनांक 803—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 30-1-23 है, जो पालाकोल में स्थित
है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालाकोल में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च 78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एन० पापाराव (2) एन० वेंकटसुब्बाराव
(3) एन० वेंकटरामाकृष्ण पालाकोल (अन्तरक)
2. श्रीमति जि० सुरम्मा पालाकोल (अन्तरिती)

3. सर्व श्री (1) बि० रामाचन्द्रराजु (2) एन० सत्यनारायण
पालाकोल (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

पालाकोल रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 387/78 में निगमति अनुसूची
संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 23-9-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 सितम्बर, 1978

सं० 804—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
 कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
 से अधिक है

और जिसकी सं० 30-1-22 है, जो पालाकोल में स्थित
 है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालाकोल में भार-
 तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन मार्च, 78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
 जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
 द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
 चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्व श्री (1) एन० पापाराव (2) एन० वेंकटामुब्बाराव
 (3) एन० वेंकटरामाकृष्ण पालाकोल (अन्तरक)
2. श्री जि० सत्यनारायण पालाकोल (अन्तरिती)

3. सर्व श्री (1) भूपतिराजु रामचन्द्राराजु (2) वि० गमा-
 निथेलु पालाकोल (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

[अनुसूची

पालाकोल रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-78
 में पंजीकृत वस्तावेज नं 388/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 23-9-78
 मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 27 सितम्बर, 1978

सं० 805—अतः मुझे बि० बी० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4-2-40 है, जो विजयनगरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयनगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-3-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण से; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री (1) टि० कृष्णाराव (2) ति० अरविंद बाबु (3) साई माधव हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री अपना सूर्यनारायण मूर्ति (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयनगरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 961/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० बी० सुब्बाराव
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 27-2-78

मोहर:

प्रारूप आई टी एन एस—

1. श्री सी० एच० प्ररुण कुमार विजयवाड़ा (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. पापुलर शू मार्ट विजयवाड़ा (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हैं ।

अर्जन रज, काकीनाडा

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

काकीनाडा, दिनांक 27 सितम्बर 1978

सं० 806—अतः मुझे बी० बी० सुब्बाराव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 26-13-54ए है, जो विजयवाड़ा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन
31-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्येक वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

12-366 GI/78

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-78 में
पंजीकृत दस्तावेज न० 1238/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

बि० बि० सुब्बाराव
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, काकीनाडा

तारीख 27-9-78
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 9 अक्टूबर 1978

सं० 807—यतः मुझे वि० वि० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 27-9-52 है, जो काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-3-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) एम० रामादास (2) एम० पवन कुमार
हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती बि० सावित्री काकीनाडा (अन्तरिती)

3. सर्वश्री (1) के० सोभनाद्री (2) वि० नरायणाचरी
काकीनाडा (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः अन्तरित के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 31-3-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1123/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज काकीनाडा

तारीख : 9-10-78
मोहर :

प्रूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 13 अक्टूबर 1978

सं० 808-यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 333 है, जो बेलपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कनकिपाडू में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति एम० शेषम्माराव विजयवाड़ा (अन्तरक)

2. श्री वि० सत्यनारायण बेलपूर (अन्तरिती)

4. पि० सुब्बाराव कनकिपाड (व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राश्न यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कनकिपाडू रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 15-3-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 156/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 13-10-1978

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 13 अक्टूबर 1978

सं० 809—यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9-7-41 है, जो विजयनगरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय विजयनगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ अस्तित्वों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमति के० आदि लक्ष्मी (2) के० रवीन्द्र कुमार विजयनगरम (अन्तरक)

2. श्रीमति बि० अम्मापूर्णम्मा विजयनगरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के तहत परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयनगरम में रजिस्ट्री अधिकारी में पौक्षिक अंत 15-3-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 770/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज काकीनाडा

दिनांक 13-10-78
मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA
(ADMN. BRANCH I)

New Delhi, the 18th November 1978

No. F. 6/78-SCA(I).—On the reversion of Shri C. M. Rajagopalan from the Shah Commission of Inquiry with effect from the afternoon of 15 September, 1978 and on the expiry of his leave the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint him as Section Officer in the Supreme Court of India with effect from 16 October, 1978.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has also been pleased to promote and appoint Shri S. P. Jain, P.A. to Registrar, as officiating Private Secretary to the Hon'ble Judge, Supreme Court of India with effect from the forenoon of 18 October, 1978, until further orders.

3. The Hon'ble the Chief Justice of India has further been pleased to promote and appoint Shri M. M. P. Sinha as officiating Section Officer with effect from 8 November, 1978, until further orders.

MAHESH PRASAD
Deputy Registrar (Admn. J)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 3rd November 1978

No. A. 12019/2/78-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Smt. Sudha Bhargava and Shri Chand Kiran permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 2-11-1978 to 31-12-1978 or until further orders, whichever is earlier.

The 8th November 1978

No. A. 12026/1/78-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri S. L. Chopra, a permanent Receptionist and officiating Reception Supervisor to officiate on an *ad hoc* basis as Reception Officer in the office of Union Public Service Commission for the period from 6-11-1978 to 31-12-1978, or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN
Under Secy,
for Secy,
Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 1st November 1978

No. P/1044-Admn. I.—Consequent on his having been selected for appointment as Deputy Director General (Administration) in the Indian Council of Medical Research, on foreign service terms, Shri P. N. Mukherjee, an officer of Grade I of CSS, has been relieved of his charge in the office of Union Public Service Commission, w.e.f. 1-11-78 (FN).

No. P/1369-Admn. I.—Consequent on his selection for appointment as Joint Secretary to the Govt. of Manipur, on deputation terms, Shri R. R. Shimray, an officer of Grade I of CSS, has been relieved of his charge in the office of Union Public Service Commission, w.e.f. 1-11-1978 (FN).

No. P/1822-Admn. I.—The services of Dr. D. N. Prasad, formerly Associate Professor in the National Dairy Research Institute, Karnal, and officiating as Deputy Secretary, Union Public Service Commission, are replaced at the disposal of the N.D.R.I., w.e.f. 1-11-1978 (AN).

The 3rd November 1978

No. A. 19014/7/78-Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri A. M. Mondal, an officer of the Indian Economic Service, as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 16th October, 1978, until further orders.

The 13th November 1978

No. A. 32011/1/77-Admn. I.—In partial modification of this office notification No. A. 32014/1/77-Admn. I dated

31-5-1977 and in supersession of this office notifications of even No. dated 20-7-77, 29-9-77, 2-12-77, 13-3-78, 8-6-78 and 11-9-78 the President has been pleased to appoint Shri K. Sundaram permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) and officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer in the office of Union Public Service Commission to temporary post of Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) on regular basis w.e.f. 20-6-1977 or until further orders.

S. BALACHANDRAN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 21st November 1978

No. 87 RCT 28.—In supersession of Commission's Notification No. 87 RCT 28 dated 4-11-78, the Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Rathour, a permanent Assistant in the Central Vigilance Commission, as Section Officer in the Commission, in an officiating capacity with effect from 26-10-78 to 23rd January, 1979, or until further orders, whichever is earlier.

SHRI NIVAS
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th November 1978

No. PF/S-157/67 Ad.V.—On the expiry of his term of deputation, the services of Shri Surjit Singh, Dy. S.P., an Officer of Delhi Police are placed back at the disposal of the Delhi Administration with effect from the forenoon of 1-11-1978.

The 17th November 1978

No. F. No. A-9/65-Ad. V.—On attaining the age of superannuation, Shri A. C. Das, Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, retired from Government service on the afternoon of 31st October, 1978.

The 18th November 1978

No. A-19035/1/78-Ad. V.—The Director, C.B.I. and I.G.P., S.P.E. hereby appoints Shri Jagat Singh, Crime Assistant, C.B.I. to officiate as Office Supdt. on *ad hoc* basis in the C.B.I. with effect from the forenoon of 30-10-1978 and until further orders.

The 20th November 1978

No. A-19036/33/78-Ad. V.—The Director, C.B.I. and I.G.P., S.P.E. is pleased to promote Shri B. N. Mishra, Permanent Inspector of C.B.I. to officiate as Dy. Supdt. of Police on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 23-10-1978.

RIPDAMAN SINGH
Administrative Officer (A)
C.B.I.

New Delhi, the 20th November 1978

No. A-20014/102/76-Ad. I.—Shri M. A. Ahiwale, an officer of Maharashtra State Police on deputation to CBI as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the CBI GOW Bombay Branch on the afternoon of 23-8-1978 on repatriation to the Maharashtra State Police.

JARNAIL SINGH
Administrative Officer (E) CBI

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 10th November 1978

No. D. I-12/77-Fstt.—On his services having been replaced at the disposal of the CRPF by the Mizoram Police, Shri Rajpal Singh is appointed as Dy. S.P. (Coy. Comdr.) in 14 Bn. of this Force w.e.f. the forenoon of 28th Oct., 1978.

The 15th November 1978

No. O.II-1105/72-Estt.—Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation Shri Harnam Singh relinquished charge of the post of Dy.S.P., 32 Bn., CRPF, on the afternoon of 30-9-1978.

The 16th November 1978

No. O.II-1096/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Rich Pal as General Duty Officer, Grade II (Dy.S.P./Coy. Commander) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th September, 1978 until further orders.

The 20th November 1978

No. O.II-1084/78-Estt.—The President is pleased to accept resignation of Dr. Gurdarshan Singh Sarna, Junior Medical Officer (GDO; Gd.II) of Group Centre, CRPF, Nagpur with effect from 18-8-78 (AN).

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 13th November 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Visakhapatnam Shri S. S. Prasad relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit CCWO Dhanbad w.e.f. the forenoon of 25th September 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Dhanbad Shri S. S. Prasad, assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit VPT Visakhapatnam with effect from the afternoon of 4th October 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Guhati Shri P. N. Deo relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit Farakha Barrage Project w.e.f. the afternoon of 26th Sept., 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Bhilai Shri Bbup Singh Rana assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit CCWO Dhanbad w.e.f. the forenoon of 25th September 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Sen as Asstt. Commandant on *ad hoc* basis until further orders and assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit BIL Bhilai w.e.f. the forenoon of 30th September 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer Shri C. D. Kukreti assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. Trg Reserve contingent at ASP Durgapur w.e.f. the afternoon of 21-9-1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from New Delhi Shri L. N. Mohla assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit DSP Durgapur w.e.f. the forenoon of 22nd September, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer Shri T. P. Balakrishnan Nambiar, assumed the charge of the post of Asstt. Commandant (JAO), CISF Zonal HQrs Madras w.e.f. the forenoon of 25th Sept., 1978.

The 15th November 1978

No. E-16015/2/77-Pers.—On repatriation to his parent Ministry Shri M. R. Narota relinquished the charge of the post of Section Officer CISF HQrs New Delhi with effect from the afternoon of 27th October 1978.

On appointment on deputation Shri Q. R. Sikri assumed the charge of the post of Section Officer in the Office of Inspector-General/CISF, New Delhi w.e.f. the afternoon of 27th October 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Pimpri Shri S. K. Kohli assumed the charge of the post of Assistant Commandant (JAO), Recruitment Section, CISF HQrs New Delhi with effect from the afternoon of 28th October 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Bhilai Shri P. S. Nandal relinquished the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit RC&F Ltd., Bombay w.e.f. the forenoon of 25th October 1978.

NARENDRA PRASAD
Asstt. Inspector-General (Pers)
CISF HQrs.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL
INDIA

New Delhi-110011, the 13th November 1978

No. 11/20/78-Ad.I.—The President is pleased to re-employ Dr. U. B. Mathur, with effect from 1 December, 1978 for a period of 6 months as Deputy Director of Census Operations in the scale of Rs. 1100—50—1600/- in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan.

The 20th November 1978

No. P/P (35) Ad. I.—In continuation of this Office Notification of even number dated 29-8-1978, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of Shri K. N. Pant, a permanent Hindi Translator in the Secretariat of Election Commission of India, as Hindi Officer in the Office of the Registrar General, India by transfer on deputation, upto 31 December, 1978 with effect from 1 October, 1978 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Pant will continue to be at New Delhi.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 2nd December 1978

No. 23/3/78-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 increased by four points to reach 340 (three hundred and forty) during the months of October, 1978. Converted to base 1949=100 the index for the month of October, 1978 works out to 413 (four hundred and thirteen).

A. S. BHARDWAJ
Joint Director.

MINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF E.A.)
INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 12th November 1978

No. 1222/M.—On his voluntary retirement from Govt. service, Shri B. T. Deo relinquished charge of the office of the Administrative Officer, India Security Press, Nasik Road, with effect from 3rd November, 1978 (AN).

D. C. MUKHERJEA
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE A.G.C.R.

New Delhi, the 18th November 1978

No. Admn.I/O. O. No. 384/5-5/Promotion/78-79/1780.—The Accountant General hereby appoints the following permanent/Officiating Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers, with effect from the forenoon of 8-11-1978 until further orders.

Sl. No. and Name

1. Sh. S. L. Jatav.
2. Sh. J. K. D. Gupta.

Sd. ILLEGIBLE
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
HARYANA

Chandigarh, the 24th June 1975

No. Admn.I/72-Misc/75-76/1655.—In pursuance of sub-rule (1) of the Rule 5 of Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965 I hereby give notice to Shri Ravinder Kumar Sharma, Auditor that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on or, as the case may be tendered to him.

Sd. ILLEGIBLE
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
MAHARASHTRA-I

Bombay-400 020, the 13th November 1978

No. Admn. I/Genl/31-Vol. III/C1(I)/9.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following members of the S.A.S. to officiate as Accounts Officers in the office with effect from the date mentioned against each, until further orders.

- (1) Shri V. N. Unde—21-10-1978 (AN).
- (2) Shri N. J. Karulkar—21-10-1978 (AN).
- (3) Shri R. T. Kale—21-10-1978 (AN).
- (4) Shri C. S. Chaure—1-11-1978 (F.N.).

Sd. ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
RAJASTHAN

Jaipur, the 15th November 1978

No. Admn. II/G-G, Notn. 1983.—The Accountant General is pleased to appoint Shri Kanwar Pal, Section Officer of this Office as Officiating Accounts Officer until further orders with effect from 28-10-1978 (AN).

Sd. ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR POSTS & TELE-
GRAPHS

Delhi-110054, the 9th November 1978

No. Admn. V-327/23(A) (2) Notification.—The Chief Auditor, Posts & Telegraphs has been pleased to promote and appoint the following Section Officers as Officiating Audit Officers and to post them in the P. & T. Branch Audit Offices indicated against each until further orders. Their promotions are on Adhoc basis and are subject to revision.

Sl. No. Name	P. & T. Br. Audit office to which belongs as S.O.	P&T Br. Audit office to which posted	Date of promotion as A.O.
1. Shri Kuldip Raj	Kapurthala	Nagpur	22-8-78 F.N.
2. „ Avtar Singh Bhatia	Do.	Lucknow	22-8-78 F.N.
3. „ Raghavchari	S.W.T.C. Calcutta	Nagpur	28-8-78
4. „ Aswi Venkatachary Kasthuri	Madras	Nagpur	11-9-78 F.N.
5. „ Pranabh Nath Roy	S.W.T.C. Calcutta	Patna	11-9-78 F.N.
6. „ Anil Barau Chakrobarty	S.W.T.C. Calcutta	Cuttack	29-8-87 F.N.

S. KRISHNAN
Sr. Dy. Chief Auditor (H. Qrs.)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 28th October 1978

No. 70/G/78.—On attaining the age of superannuation the undernoted officers retired from service with effect from the date shown against each :—

Sl. No. Name and Designation	Date of retirement
1. Shri S.C. Das Gupta, Subst. & Permt. Addl. DGOF	30th Apr. 1977/AN
2. Shri S. N. Das, Offg. Sr. DADGOF (Subst. & Permt. DADGOF)	30th Apr., 1977/AN
3. Shri B. D. Sachdeva, Subst. & Permt. Sr. DADGOF	30th Jun., 1977/AN
4. Shri V. P. Goel, Subst. & Permt. ADGOF Gr. II.	31st Oct., 1977/AN
5. Shri B. Roy, Subst. & Permt. ADGOF Gr. II	31st Dec., 1977/AN
6. Shri D. N. Sarkar, Offg. ADGOF Gr. II (Subst. & Permt. Sr. DADGOF)	31st Dec., 1977/A.N.
7. Shri Sudhir Kumar Roy, Subst. & Permt. Sr. DADGOF	31st Jan., 1978/AN
8. Shri J. K. Banerjee, Subst. & Permt. ADGOF Gr. II	28th Feb., 1978/AN
9. Shri T.N. Sen, Offg. Sr. DADGOF (Subst. & Permt. DADGOF)	30th Apr., 1978/AN
10. Shri G.R. Sundaram, Offg. Sr. DADGOF (Subst. & Permt. DADGOF)	31st Jul., 1978/AN

No. 71/G/78.—On expiry of extension of service for 3 months with effect from 1-9-1977, Shri M. P. R. Pillai, Offg. ADGOF Gr. I, (Subst. & Permt. ADGOF Gr. II), retired from service with effect from 30th November 1977 (AN).

The 15th November 1978

No. 76/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri E. A. Truter, Offg. Manager (Subst. and Permt., Dy. Manager) retired from service with effect from 30-9-1978 (AN).

V. K. MEHTA
Assistant Director General,
Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES &
COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 17th November 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
ESTABLISHMENT

No. 6/1166/77-Admn(G)/8054.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Bassi, a permanent Grade 'C' Stenographer of the CSSS as Stenographer Grade 'B' of that Service in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, in an officiating capacity with effect from 23rd October, 1978, until further orders.

K. V. SESHADRI
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 8th November 1978

No. 12(367)/62-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Director of Industries, Government of Mizoram, Shri L. M. Mathur, relinquished charge of the post of Deputy Director (Mechanical) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi with effect from the afternoon of 17th October, 1978.

2. The services of Shri L. M. Mathur are placed at the disposal of the Government of Mizoram with effect from 17-10-1978 (AN).

The 13th November 1978

No. 12(648)/70-Admn.(G).—Consequent upon his appointment on deputation as Assistant Manager (Admn.) in the Central Tool Room and Training Centre, Calcutta, Shri S. K. Basu, relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. II) (GAD) in the Small Industries Service Institute, Kanpur on the forenoon of 1st May, 1978.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 16th November 1978

No. CLBI/1/6-G/77—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLB I/1/6-G/71 dated the 13th January 1972 namely :—

In the Table appended to the said Notification against S. No. 7 for the existing entries in columns 2, 3 and 4 the following shall be substituted namely :—

1	2	3
"(i)	Director of Handlooms and Textiles Madras	Tamil Nadu 12(6), 12 (6A) 12(7A), 12(7AA) 12C and 12E
(ii)	Joint Director of Handlooms and Textiles, Madras	Do. 12(6), 12(6A) 12(7A), 12(7AA) 12C and 12E
(iii)	Secretary to Government, Industries Department	Do. 12(7A) and 12(7AA)
(iv)	Deputy Director (Textiles) Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.	Do. Do.
(v)	Assistant Director (Textiles) Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.	Do. Do.
(vi)	Assistant Director (Powerlooms) Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.	Do. Do.
(vii)	Assistant Director of Handlooms and Textiles in charge of circle Offices	Do. Do.

1	2	3
(viii)	Textile Control Officers in the circle offices of the Assistant Directors of Handlooms and Textiles	Tamil Nadu 12(7A) and 12(7AA)
(ix)	Handloom officers working under the circle Assistant Directors of Handlooms and Textiles	Do. Do.
(x)	Handloom Inspectors working under the Control of circle Assistant Directors of Handlooms and Textiles	Do. Do.
(xi)	Junior Technical Assistants working under the control of the circle Assistant Director of Handlooms and Textiles.	Do. Do.
(xii)	Textile Inspectors in the circle office of the Assistant Directors of Handlooms and Textiles	Do. Do.
(xiii)	Officers of the Revenue Department not below the rank of Revenue Inspectors.	Do. Do.
(xiv)	Officers of the Commercial Tax Department not below the rank of Assistant Commercial Tax Officer	Do. Do.
(xv)	Officers of the Police and Excise Department not below rank of Sub-Inspector	Do. Do."

No. 18 (1)/77-CLB II—In exercise of the power conferred on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Powerloom) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15 (2)/67-CLB II/B, dated the 13th January, 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification, against Serial No. 7, the existing entries under columns 1,2,3 and 4 shall be substituted by following entries, namely —

1	2	3
"(i)	Director of Handlooms and Textiles, Madras.	Tamil Nadu 6, 6C, 7A, 8 and 8A
(ii)	Joint Director of Handlooms and Textiles, Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.	Do. Do.
(iii)	Deputy Director (Textiles)	Do. 6,8 and 7A
(iv)	Assistant Director (Textiles)	Do. Do.
(v)	Assistant Director (Powerlooms) Office of the Director of Handlooms and Textiles.	Do. Do.
(vi)	Assistant Directors of Handlooms and Textiles in charge of the Circles	Do. Do.

1	2	3	
(vii)	Textile Control Officers	Under the control of the Circle of Handlooms and Textiles	8"
(viii)	Handloom Officers.		
(ix)	Handloom Inspectors		
(x)	Textile Inspectors		
(xi)	Junior Technical Assistants		

G. S. BHARGAVA
Joint Textile Commissioner

DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 15th November 1978

No. A-17011/141/78-A6.—The Director General of Supplies & Disposals, has appointed Shri Bipra Das, Asstt. Director of Supplies (Grade II) in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Met.) in the office of Dy. Director of Inspection (Met.), Bhilai under Jamshedpur Inspectorate w.e.f. the forenoon of 3rd October 1978 until further orders.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 10th November 1978

No. 7592B. 2222(PKB)/19A.—Shri Pranay Kumar Biswas is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 26th August, 1978, until further orders.

No. 7604B. 2222(NKD)19A.—Shri Nalin Kumar Dhir is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 1st September, 1978, until further orders.

No. 7616B. 2222(SB)/19A.—Shri Shashank Bhatnagar is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30th August, 1978, until further orders.

No. 7667B. 2222(UB)/19A.—Shri Udaybhanu Bhattacharya is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 11th September, 1978, until further orders.

No. 769B. 2222(ANS)19A.—Dr. Avadh Narayan Singh is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 28th August, 1978, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 16th November 1978

No. 4-155/77/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri S. P. Lala to a 13—366GI/78

post of Assistant Anthropologist (Cultural) in this Survey at Western Region, Udaipur, in a temporary capacity, with effect from the afternoon of 26th September, 1978, until further orders.

C. T. THOMAS
Senior Administrative Officer

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 21st November 1978

No. 14/12/78-M(T).—In exercise of the powers conferred under Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules 1959, I, K. V. Soundara Rajan, Director (Monuments), hereby direct that no fee shall be charged for entry into the Buddhist Monuments of Sanchi Distt. Raisen (Madhya Pradesh) from 28th November to 30th November, 1978 on account of the 26th anniversary celebrations of Chetiyā Giri Vihara.

K. V. SOUNDARA RAJAN
Director (Monuments)

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 15th November 1978

No. F. 11-9/77-A.1.—The Director of Archives, Govt. of India, hereby sanctions proforma promotion to Shri C. P. Mathur, Asstt. Archivist (Gr. I) (Genl.) and at present on deputation with the Govt. of Haryana to the post of Archivist (General) in the National Archives of India, New Delhi w.e.f. 24-8-1977 (F.N.) until further orders under proviso below F.R. 30(1) (Next below Rule).

No. F. 11-9/77-A.1.—Shri S. S. Rekhi, Asstt. Archivist (Gr. I) (General) and Officiating Archivist (General) on *ad hoc* basis is appointed to officiate as Archivist (General) on a regular temporary basis with effect from 8-11-1978 (F.N.) till the date Shri C. P. Mathur, Archivist (General) (Under Next Below Rule) now on deputation with the Government of Haryana reverts to the National Archives of India.

S. N. PRASAD
Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO
(CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi, the 21st November 1978

No. A-12023/2/78-CW.I.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri Vijay Kumar Gogne as Assistant Surveyor of Works (Elect.) Civil Construction Wing, All India Radio, New Delhi in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of 24th October, 1978.

2. The appointment of Shri Gogne will be governed, *inter alia*, by the terms and conditions contained in the offer of appointment already issued to him.

S. RAMASWAMY
Engineer Officer to Addl. CE(C)
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL
PUBLICITY

New Delhi-1, the 13th November 1978

No. A 12026/5/78-Estt.—Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri B. N. Rajbhar, officiating Grade III CIS Officer as Assistant Media Executive in the Directorate of Advertising and Visual Publicity on *ad hoc* basis on usual deputation terms with effect from the forenoon of 17th October, 1978, until further orders.

2. On reversion to the post of Technical Assistant (Advertising), Shri Bhaskar Nayar relinquished charge of the

post of Assistant Media Executive on 13th October, 1978 (afternoon).

R. DEVASAR
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
(DEPTT. OF HEALTH)

New Delhi, the 17th November 1978

No. A. 12025(i)-20/78-CHS. I.—Consequent on his appointment as Radiologist under the Municipal Corporation of Delhi, Dr. Ashok Virmani relinquished charge of the post of Junior Medical Officer GDO Grade II of the C.H.S. at Safdarjang Hospital, New Delhi on the forenoon of the 14th September, 1978.

K. VENUGOPAL
Under Secy.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th November 1978

No. A. 38012/2/78-SI.—On attaining the age of superannuation Shri M. R. Sharma, Depot Manager, Govt. Medical Stores Depot Karnal, retired from Government service with effect from the forenoon of 1st November 1978.

The 10th November 1978

No. A. 38012/4/78-SI.—On attaining the age of superannuation Shri P. R. Haryal, Deputy Asstt. Director General (Medical Stores), Govt. Medical Stores Depot, Bombay, retired from Govt. service with effect from the forenoon of 1st November 1978.

K. C. MISRA
Deputy Director Administration (Stores)

New Delhi, the 16th November 1978

No. A. 32014/3/78(AIIPMR)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. M. A. Chaukar, Lecturer, All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation, Bombay in the post of Chief Vocational Guidance Department in that Institute with effect from the 18th April, 1978, in a temporary capacity, and until further orders.

No. A. 32014/3/78(AIIPMR)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. B. N. Chhabria, Lecturer, All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation, Bombay in the post of Chief Medical Social Work Department in that Institute with effect from the 10th April, 1978, in a temporary capacity, and until further orders.

The 20th November 1978

No. A. 12025/4/78(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. R. C. Sharma to the post of Assistant Director General (Stores) in the Directorate General of Health Services in a temporary capacity with effect from the forenoon of 2nd November, 1978 until further orders.

No. A. 32014/6/78(SJH) Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Onkar Singh Gujral, Head Clerk, Safdarjang Hospital, New Delhi to the post of Assistant Administrative Officer at the same Hospital for a period of 52 days against the leave vacancy of Shri Khirnarmal Bhimani from the forenoon of 8-9-1978 to 29-10-1978 (afternoon).

No. A. 32014/5/78(SJH)Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Jaswant Ram, Confidential Assistant, Safdarjang Hospital, New Delhi to the post of Assistant Administrative Officer in the same

Hospital, with effect from the forenoon of the 1st September, 1978, on temporary basis, and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay 400 085, the 28th August 1978

No. 5/1/78/Estt.II/3071.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri PULLANNIKALAYIL CHACKO THOMAS, permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Officer in Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Accounts Officer II in the same Research Centre as under :

- (a) From April 10, 1978 (FN) to July 31, 1978 (AN), on an *ad hoc* basis.
- (b) From the Forenoon of August 1, 1978, on a regular basis until further orders.

P. S. VENKATASUBRAMANIAN
Dy. Establishment Officer

Bombay, the 16th September, 1978

No. 5/1/78-Estt.II/3273.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Personnel Officer for the period shown against their names:

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	T
1.	Shri B. M. Naik Selection Grade Clerk	Asstt. Personnel Officer	19-7-78 (FN)	29-8-78 (AN)
2.	Shri P. B. Karandikar Assistant.	Asstt. Personnel officer	19-7-78 (FN)	29-8-78 (AN)

The 18th November 1978

No. B/1569/Med/Estt.I/4472.—Director, BARC has accepted the resignation from service tendered by Dr. Shankar Kesharao Bakde, Resident Medical Officer, Medical Division with effect from the afternoon of 30-8-1978.

2. Dr. Bakde is deemed to have relinquished charge of his post on 30-8-1978 (AN).

M. S. RAO
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 17th November 1978

No. DPS/23(4)/77-Est./28008.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Purchase Assistants to officiate as Assistant Purchase Officers on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the same Directorate for the period indicated against each :—

1. Shri K. T. Parameshwaran—from 29-8-1978 to 12-10-1978.
2. Shri D. S. Sakhre—From 4-10-1978 to 10-11-1978.

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

Madras-600 006, the 6th November 1978

No. MRP/200(19)/78-ADM.—In continuation of this office notification of even no. dated 10-4-1978 the

Director, Purchase & Stores is pleased to extend the officiating appointment of Shri R. Narayanan as Assistant Stores Officer for a further period from 7-5-1978 to 20-5-1978.

S. RANGACHARY
Purchase Officer

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 12th September 1978

No. PPED/3(262)/76-Adm./12066.—Director, Power Project Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri H. H. Shah, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk of this Division, as Asstt. Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 11, 1978 to the afternoon of October 21, 1978 *vice* Shri G. S. Khurana, Assistant Personnel Officer deputed for training.

B. V. THATTE
Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 7th November 1978

No. NAPP/Adm/5(17)/78/S/11041.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri R. V. Avasthi, a Section Officer of the Western Railway, Bombay presently on deputation as Accountant in this Project, to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-960 in the same Project with effect from the forenoon of October 25, 1978 on the usual terms & conditions of deputation, until further orders.

S. KRISHNAN
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th October 1978

No. A. 32013/4/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri N. Muniandy, Asstt. Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi to the grade of Communication Officer on *ad hoc* basis with effect from 27-9-1978 (FN) for a period of six months and to post him in the Office of the Regional Controller of Communication, Madras Airport, Madras.

The 13th November 1978

No. A. 32013/5/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Sharma, Assistant Director of Communication (*ad hoc*) D.G.C.A. (HQrs) to the grade of Deputy Director of Communication on *ad hoc* basis w.e.f. 13-10-78 (FN) upto 25-10-78 and to post him in the same office.

The 16th November 1978

No. A. 32014/1/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Technical Assistants to the grade of Asstt. Technical Officer on *ad hoc* basis with effect from the date and at the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1.	Shri J. C. Ray	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	15-6-78 (FN)
2.	Shri R. N. Banerjee	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	26-6-78 (FN)

No. A. 32014/1/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following three Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis with effect from the date and at the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1.	Shri R.C. Pant	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	26-6-78 (FN)
2.	Shri Atma Ram	ACS, Belgaum	ACS, Bhopal	7-7-78 (FN)
3.	Shri P. N. Pant	CATC, Allahabad	CATC, Allahabad	15-7-78 (FN)

The 20th November 1978

No. A. 32014/2/77-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri A. K. Haldar, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, Calcutta to the grade of Assistant Communication Officer on *ad hoc* basis w.e.f. 27-6-1978 (FN) and to post him at the same station.

No. A. 32014/2/77-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri A. K. Haldar, who is at present working on *ad hoc* basis as Assistant Communication Officer at Aeronautical Communication Station, Calcutta to the grade on regular basis w.e.f. 1-10-1978 and to post him at the same station.

No. A. 32014/2/77-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Ram Chandra, Communication Assistant, Aeronautical Communication, Safdarjung Airport, New Delhi to the grade of Asstt. Communication Officers, on regular basis w.e.f. 5-7-1978 (FN) and to post him at the same station.

No. A. 32013/4/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Chitkara, Communication Officer, Office of the Regional Controller of Communication, Bombay Airport, Bombay to the grade of Senior Communication Officer on *ad hoc* basis for a period of six months w.e.f. 30-9-1978 (FN) and to post him in the office of the Regional Director, Civil Aviation Department, Bombay Airport, Bombay.

No. A. 32014/1/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following four Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis with effect from the date and at the station indicated against each :—

Sl. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1.	Shri T.L. Relwani	A.C.S., Bombay	ACS, Bombay	19-7-78 (FN)
2.	„ N.B. Sindphalkar	A.C.S., Washim	ACS, Jabalpur	29-7-78 (FN)
3.	„ N. K. Roy	A.C.S., Calcutta	ACS, Calcutta	17-8-78 (FN)
4.	„ B. Choudhury	A.C.S., Calcutta	ACS, Calcutta	11-9-78 (FN)

No. A. 38013/1/77-EC.—The following officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on the date

indicated against each on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation :—

S. No.	Name, Designation & Station of posting	Date of retirement
S/Shri		
1.	B. G. Makhijani, Asstt. Comm. Officer, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi	30-6-78 (AN)
2.	K. L. Bhasin, Asstt. Technical Officer, Radio Const. & Dev., Units, New Delhi	31-3-78 (AN)
3.	V. R. Kesavan, Asstt. Technical Officer, Central Radio Stores Depot, New Delhi.	31-8-78 (AN)

S. D. SHARMA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 9th November 1978

No. A. 39013/5/78-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to accept the resignation from Government service of Shri S. Raina, Asstt. Aerodrome Officer, Safdarjung Airport, New Delhi with effect from the 31st October, 1978 (A.N.).

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-VIDYALAYA

Dehra Dun, the 13th November 1978

No. 16/304/78-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Dr. Samar Bahadur Singh as Research Officer under the Vth Five Year Plan Scheme "Forest Soil Laboratories (Forest Soil-cum-Vegetation Survey)" at the Regional Research Centre, Jabalpur with effect from the forenoon of 18th October, 1978, until further orders,

GURDIAL MOHAN
Kul Sachiv
Vana Anusandhan Sansthan Evam
Mahavidyalaya

COLLECTOR OF CUSTOM AND CENTRAL EXCISE

Patna, the 15th November 1978

C. No. II (7)1-ET/77/11465.—The following Group "B" Superintendent of Central Excise & Customs Collectorate Patna have retired from service on superannuation with effect from dates & hour as indicated against each:—

Sl. No.	Name	Designation	Date of superannuation
1.	Sri S. D. Mishra	Supdt.	31-7-78
		C. Ex.	(A.N.)
2.	Sri Khalil Ahmed Khan	Supdt.	31-7-78
		C. Ex.	(A.N.)
3.	Sri Md. Haroon	Supdt.	31-8-78
		C. Ex.	(A.N.)
4.	Sri S. N. Sinha	Supdt.	30-9-78
		C. Ex.	(A.N.)
5.	Sri H. P. Sen	Supdt.	30-9-78
		C. Ex.	(A.N.)
6.	Sri J. D. Mullick	Supdt.	30-9-78
		C. Ex.	(A.N.)

C. No. II(7)2-ET/78/1466.—In pursuance of this office Establishment Order No. 13/78 dated 12-1-78 as notified under Establishment Order No. 169/78 dated 17-6-78 Sri Ram Charitar Prasad, Inspector of Central Excise & Customs on promotion to officiate as Superintendent Central Excise & Customs Group 'B' has assumed charge as Superintendent Central Excise, Ailoth Chouk Range, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules in the forenoon on 30-9-78.

D. K. SARKAR,
Collector.

Madras, the 25th September 1978

No. II/3/24/78 Estt.—The following Office Superintendents of Madras Central Excise Collectorate have been appointed to officiate as Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer, Group 'B' until further orders and posted, with effect from the dates noted against each, to the places specified against their names.

Sl. No.	Name	Place to which posted	Date of joining
1.	Kum Doratheja Roberts, Assistants Chief Accounts Officer	Hqrs. office, Madras	18-1-78 AN
2.	Shri K. Viswanathan, Administrative Officer	Pondicherry Division	6-4-78 AN
3.	Shri L. Munirathinam, Administrative Officer	Coimbatore I Division	30-8-78 AN

M. G. VAIDYA,
Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 13th November 1978

No. A-19012/746/78-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion Shri V. B. Mundi, Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Pune in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 9-10-1978 upto 28-2-1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 18th November 1978

No. A-32012/9/75-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion Shri B. K. Saha, Research Assistant, presently officiating as Assistant Research Officer (Engineering) on *ad-hoc* basis, in the Central Water and Power Research Station Pune, on a regular basis in the same post in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 w.e.f. the forenoon of 17th October, 1978, until further orders.

2. Shri Saha will be on probation to the post of Assistant Research Officer (Engineering) for a period of two years w.e.f. 17th October, 1978.

J. K. SHAH,
Under Secy.
Central Water Commission

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (DEPARTMENT OF SUPPLY)

Calcutta-27, the 17th November 1978

No. G318/A.—Shri N. Madhavan, a permanent Assistant borne on the cadre of the Ministry of Finance, who was

appointed as Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the National Test House, Bombay Branch, Bombay w.e.f. 20-11-74 (F/N) vide National Test House, Calcutta Notification No. G-318/A dated 12-12-74 was reverted to the Ministry of Finance w.e.f. the afternoon of 10-3-78.

E. K. RAMACHANDRAN, Jt. Director.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Bombay, the 10th November 1978

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mudra (Exports) Private Limited

No. 18254/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Mudra (Exports) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

L. M. GUPTA, Asst. Registrar

In the matter of Companies Act, 1956 and of Safari Travels Limited

Kanpur, the 10th November 1978

No. 12780/3391-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Safari Travels Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Foot Prints Private Limited

Kanpur, the 10th November 1978

No. 12779/3537-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Foot Prints Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN
Registrar of Companies, U.P.
Kanpur

In the matter of Companies Act, 1956 and of Ghar Basau Construction Company Private Limited

Jullundur, the 17th November 1978

No. G/Stat/560/3372/8257.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ghar Basau Construction Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Dayalbagh Trading Company Private Limited

Jullundur, the 17th November 1978

No. G/Stat/560/544/8258.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Dayalbagh Trading Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Khanna Brothers (Publishers) Private Limited

Jullundur City, the 17th November 1978

No. G/Stat/560/3398/8260.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Khanna Brothers (Publishers) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

In the matter of Companies Act, 1956 and of U.P. Shock Absorbers Limited

Delhi, the 20th November 1978

No. 7269/8/2005.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of U.P. Shock Absorbers Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

(Mrs.) C. KAPOOR
Asstt. Registrar of Companies, Delhi

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. K. P. Dass & Company Private Limited

Calcutta, the 20th November 1978

No. 16697/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. K. P. Dass & Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Sunrise Minerals Private Limited

Calcutta, the 20th November 1978

No. 27909/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sunrise Minerals Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Bengal Ruby Mica Supply Co. Private Limited

Calcutta, the 20th November 1978

No. 26182/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bengal Ruby Mica Supply Co. Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Mahamaya Mills Private Limited

Calcutta, the 20th November 1978

No. 2339/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Mahamaya Mills Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. R. SIRCAR
Asst. Registrar of Companies
West Bengal

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Sri Venkateswara Automobiles Private Limited*

Madras, the 21st November 1978

No. DN/4846/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560(5) of Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sri Venkateswara Automobiles Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

C. ACHUTHAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Rama Fertilizers & Chemicals Private Limited*

New Delhi, the 21st November 1978

No. 4671/20119.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Rama Fertilizers & Chemicals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Ess Pee Waterwell Engineers Private Limited*

New Delhi, the 21st November 1978

No. 4826/20117.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ess Pee Waterwell Engineers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

G. C. GUPTA
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
DELHI-V

New Delhi, the 7th November 1978
INCOME-TAX

F. No. JUR-DLI/V/78-79/27910.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 125A of the

Income-tax Act 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject C.I.T., Delhi-V hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on, or assigned to the Income-tax Officer, Doctor's Circles, New Delhi in respect of any area or persons or classes of persons or incomes of classes of income, or cases or classes of cases shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C. Range-V-D.

2. For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T., Delhi-V also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-V-D to pass such orders as contemplated in sub-section (2) of Section 125A of the Income-tax Act, 1961.

This notification shall take effect from 7-11-1978.

F. No. JUR-DLI/V/78-79/28041.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-V New Delhi hereby directs that the Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax, mentioned in column 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases of classes of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the Directs/Circles mentioned in col. 2 of the said Schedule :—

SCHEDULE

Range

1

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range, V-C, New Delhi.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, R-V-D, New Delhi.

Income-tax District/Circle

2

1. District-IV, New Delhi.

2. Foreign Section, New Delhi.

1. Doctors' Circles, New Delhi.

This notification shall take effect from 7-11-1978.

K. R. RAGHAVAN
Commissioner of Income-tax
Delhi-V, New Delhi

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 9th November 1978

Ref. No. III-280/Acq/78-79.—Whereas, I M. N. TIWARY, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Shujaganj, Bhagalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 30-3-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Umesh Kumar Dhandhanian, Punit Kumar Dhandhanian and Anil Kumar Dhandhanian, 74-D, Bondel Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Prasad Dhandhanian 16, Ballygunj, Park Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in 1 Bigha, 7 Kathas, 18 dhurs and 3 Dhurkies of land at Shuja-ganj, Dt. Bhagalpur described morefully in Deed No. I-1679 dt. 30-3-1978.

M. N. TIWARY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date : 9-11-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the August 1978

Ref. No. AR-I/3027-3/Mar.78.—Whereas, I F. J. FERNANDEZ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 1105, 1030 Lower Pearl Division situated at Eliphiston Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Dhirajlal V. Saghavi.
2. Pramod Kumar K. Bussa.
3. Smt. Bhanumati K. Bussa.
4. Bharat Kumar K. Bussa.

(Transferor)

- (2) Bussa Industria Prem Co. Op. Hus. Society Ltd.

(Transferee)

- (3) Members of Society.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 509-75/Bom. and Registered on 21-3-78 with the Sub-Registrar Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Bombay

Date : 2-8-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th September 1978

Ref. No. AR.II/2541-3/Mar. '78.—Whereas, I, A. C. CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,000/- and bearing No.

CTS Nos. 1349, 1350, 1351 S. No. 87 situated at Pali Hills Bandra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-3-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Jamshed Sorab Moos and Smt. Bhikhu Bahman Moos.

(Transferor)

- (2) Montreal Olympic Premises Co. op. Society Ltd.

(Transeree)

(Flat)

- (3) 1. Mrs. Prafulla S. Gaitonde.
2. Mrs. Poonam V. Punjabi.
3. Mrs. Malti Syal.
4. Shri E. N. Nair.
5. Mrs. Mary Simpson.
6. Mr. Jaspal Singh Gandhi.
7. Mr. Chimanlal Khanna.
8. Mr. Mahender Pal Jain.
9. Mr. Marcel Lobo.
10. Mrs. Lilly Swami.
11. Mrs. Bharati Rana.

14—366GI/78

12. Mr. Balram Kukreja.
13. Mrs. Sheela Chhabria.
14. Mr. Jaisingh Shyam Lal.
15. Mrs. Sheela Mukherjee.
16. Capt. Suresh Kumar Khurana.
17. Mr. Narain L. Bajaj.
18. Mr. C. M. Mohamed Kunhi.
19. Mrs. Lovleen Khanna.
20. Mrs. Lachmi M. Bharwani.
21. Mr. Anilkumar M. Parkar.

(Garages)

22. Mrs. Sheela Mukherjee.
23. Anilkumar M. Parkar.
24. Balram Kukreja.
25. Mr. Marcel Lobo.
26. Mrs. P. S. Gaitonde.
27. Mrs. Lachmi Bharwani.
28. Mr. Mohender Pal Jain.

(Parking space)

29. Mrs. Mary Simpson.
30. Mr. Jaspalsingh Gandhi.
31. Mr. Chimanlal Khanna.
32. Smt. Lovleen Khanna.
33. Mr. N. L. Bajaj.
34. Mrs. Sheela Mukherjee.
35. Mr. Jaisingh Shyam Lal.
36. Mrs. Poonam V. Punjabi.
37. Mr. Suresh Kumar Khurana.
38. Mrs. Lily Swamy.
39. Mrs. Malti Syal.
40. Mr. E. N. Nair.
41. Mrs. Bharati Rana.
42. C. M. Mohamed Kunhi.

- (4) Shri Chandru L. Raheja and Shri Tekchand C. Rewani (confirming parties).

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuage tenement or dwelling house and structures standing thereon situate on the East Side of Pali Hill Road in Danda in the registration District and sub-district of Bombay City and Bombay Suburban and containing by admeasurement 2071 sq. metres equal to 2477 sq. yds. or thereabouts to the same a little more or less and registered by the Collector of Land Revenue, Thana under non-agricultural Survey No. 87 and assessed by the Municipality of Bandra under House No. 39 District Pali Hill and bearing C.T.S. Nos. 1349, 1350, and 1351 and bounded on or towards the North by City Survey No. 100 on or towards the East by City Survey No. 313 on or towards the south by non-agricultural Survey No. 97 and on or towards the west by the said Pali Hill Road.

A. C. CHANDRA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 29-9-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Mahadeo Sitaram Joshi, 70-N, Saraswati D. Marg, Chembur, Bombay-71.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bank of Maharashtra, 1177, Budhwar Peth, Pune-411002.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th October 1978

No. Acqn. Range III/A.P. 279/78-79.—Whereas, I V. K. SUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 70-N of Scheme No. III situated at Chembur Garden, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land in the village of Chembur in the Registration district and sub-district of Bombay City and Bombay Suburban, Scheme No. III Chembur garden being Plot No. 70-N and shown as measuring 666 sq. yards that is 555.45 square metres in the Land Manager's Plan No. DD ss 111 965 of 11-5-1928. The said plot No. 70-N being a portion of the larger plot No. 70 as per layout sanctioned by the Bombay Municipality and bounded on or towards the South by Plot No. 70-K, on or towards the North partly by Plot No. 70-O and partly by passage known as 70-Y, on or towards the East by Plot No. 70-M and on or towards the West by Plot Nos. 26 & 27, together with the building standing thereon comprising of basement, ground and three upper floor.

V. K. SUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 5-10-1978
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Smt. M. A. Baria

(Transferor)

(2) M/s. New Swastik Lands Development Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1978

Ref. No. AR IV/828-May/78-79.—Whereas, I, R. M. PANJWANI

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 123A, 124 (Part) 165 (Part) situated at Village Nalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THOSE pieces or parcels of agricultural lands or ground situate lying and being at village Nalur in the Registration Sub-District of Bandra, Bombay suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 17271.10 square yards (i.e. 14440.37 square meters) and bearing S. No. 123A Hissa No. 1 (part) S. No. 124 (Part) and S. No. 165 (Part) and bounded as follows : that is to say on or towards the South Partly by land bearing S. No. 125 (Part) and partly by land bearing S. No. 123A Hissa No. 2, on or towards the West by lands sold to the President of India and on or towards the North and East by the boundary of Village Mulund.

R. M. PANJWANI

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 13-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1978

Ref. No. Acqn. Range III/1667/7/AP-280/78-79.—Whereas I, R. M. Panjwani being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 18, C.S. No. 1074 (1 to 5) Municipal Ward No. K-714 situated at Varsova, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 29-5-1978, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (.) 1. Shardagavri Jivanlal Shah,
2. Dhansukhlal Jivanlal Shah and
3. Panna Jivanlal Shah alias Panna Vipinchandra Parikh,

(Transferor)

- (.) 1. Mohanlal Basudeo Sigtia,
2. Vinod Mohanlal Sigtia and
3. Ashok Mohanlal Sigtia,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(.) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(.) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FIRST : ALL THAT piece or parcel of Government land or ground, hereditaments and premises with the building had structures standing thereon and known as "Gwalior Palace" situate in the Revenue Village of Versova, in the Registration Sub-District of Bandra, formerly in the Taluka South Salsette but now in the Taluka Andheri, District Bombay Suburban now Greater Bombay containing by admeasurement 2023.4235 square metres or thereabouts (i.e. 20 Gunthas or 2420 square yards or thereabouts) and bearing Survey No. 82 and Entry No. 198 of Record of Right and bounded as follows : that is to say, on or towards the East partly by public road, partly by a pond of water and partly by the property of Jan Cassim Mahomed Khoja; on or towards the West by a public passage formerly part of the land bearing Survey No. 82; on or towards the North by the Government Building Site No. 7 and on or towards the South by the remaining plot of Hajee Abdulla Haji Ahmed formerly belonging to Mr. Crish and now belonging to Framji Cawasji Bataliwalla.

SECONDLY : ALL THAT piece or parcel of Government unoccupied land or ground forming part of the land Survey No. 90 situate in the Revenue village of Versova in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban now Greater Bombay formerly in the Taluka of South Salsette but now in the Taluka Andheri containing by admeasurement 1416.4020 square metres or thereabouts (i.e. 14 Gunthas or 1694 square yards or thereabouts) and bounded as follows that is to say on or towards the North by the land bearing part of Survey No. 90; on or towards the South by Plot No. 6 on or towards the East by a road and on or towards the West by the land bearing Survey No. 82.

AND which said lands, hereditaments and premises First and Secondly described hereinabove are known as Plot No. 18 and contain by actual admeasurement 3637.1484 square metres or thereabouts (i.e. 4350 square yards or thereabouts) and bear Municipal Ward No. K-714 and Street No. 34, Sat Bungalows, City Survey No. 1074 (1 to 5).

R. M. PANJWANI,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date 20-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 17th October 1978

Ref. No. IAC. Acq.II/3672/78-79/3441.—Whereas, I KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1092 situated at Kucha Natwan, Chandni Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Bansi Dhar, Brij Mohan s/o Shri Bal Kishan S/Shri Padam Chand, Vijay Kumar s/o Shri Bansi Dhar Lal r/o 1, Under Hill Lane, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Ratan Lal Gupta s/o Shri Bhola Nath r/o 1103 Kucha Natwan, Chandni Chowk, Delhi.
(Transferee)
- (3) Shri Bhola Nath.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One 2½ storey house being No. 1092 area 225 sq. yds. Kucha Natwan, Chandni Chowk Area No. 2, Delhi is situated as under :—

East : Property of other person
West : Property of Gian Chand.
North : Property of Triloki Chand Goyal.
South : Door of house and Lane.

KANWARJIT SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Delhi/New Delhi

Date : 17-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 17th October 1978

Ref. No. IAC. Acq.II/3667/78-79/3441.—Whereas, I KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/3644-3647 situated at Gali Thanewali, Subzi Mandi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Smt. Kusum Lata w/o Sh. Vijay Kumar Gupta alias Vidya Kumar Gupta r/o House No. XII/3644-47, Gali Thanewali, Old Subzi Mandi, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Murli Dhar s/o Shri Lal Chand r/o House No. 2929/XII, Aryapura, Old Subzi Mandi, Delhi-110007.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. XVI/3644-47 (New) area 120 sq. yds. Gali Thanewali, Old Subzi Mandi, Delhi is situated as under :—

East : Property No. XII/3647.
West : Gali.
North : Gali
South : Property No. XVII/3643.

KANWARJIT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Delhi/New Delhi.

Date : 17-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Khan Chand Sharma and Shri Gian Chand Sharma, sons of Pt. Uttam Chand r/o 69-B, Block Nil, Malvia Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Bhupinder Pal 2. Satish Chander 3. Gulshan Kumar s/o Shri Ram Lal r/o A-2/59, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 17th October 1978

Ref. No. I.A.C. Acq. II/3673/78-79/3441.—Whereas, I KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-7 situated at Mansrover Garden, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 7 Block No. G area 459 sq. yds. Mansrover Garden, Basaidarapur Village Delhi State, Delhi is situated as under :—

East : Plot No. G-8 (built).
West : Road.
North : Lane
South : Road.

KANWARJIT SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-10-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 13th September 1978

Ref. No. BGR(DLI)/14/77-78.—Whereas, I, **RAVINDER KUMAR PATHANIA**, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 46 kanals alongwith buildings situated at 17/4 Mile Stone, Mathura Road, Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) M/s Delton Cable Co., 3455/57, Delhi Gate, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Delton Cable Industries (P) Ltd., 24-Daryaganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 46 kanal alongwith building and situated at 17/4 Mile stone, Mathura Road, Faridabad.

"Property as mentioned in sale deed Registration No. 210 dated 29-3-1978 and registered in the office of the Registering Authority, Delhi."

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 13-9-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 22nd September 1978

Ref. No. BGR/43/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Industrial Plot No. 93, Sector 24, situated at Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—366GI/78

(1) 1. Smt. Pushpa Aggarwal W/o Shri R. P. Aggarwal,
2. Shri Suresh Aggarwal s/o Shri R. P. Aggarwal,
C/o M/s Faridabad Emery and Engg. Co., Faridabad.

(Transferor)

(2) M/s Maya Machine Tools, Plot No. 92, Sector 24, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Plot No. 93, Sector 24, Faridabad.

(Property as mentioned in the Sale deed registered at serial No. 5976 dated 31-3-1978 with the Sub-Registrar, Ballabgarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 22-9-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Rajkumar Gupta, S/o Sri Roop Kishore Gupta, H. No. 17/4 at Vigyanpuri, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Harishkumar, Minor, /guardian and s/o Sri Ramvatar, C/o M/s Ram Electronics, H. No. 5-4-17 at J. N. Road, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1978

Ref. No. RAC. No. 184/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-824/2, situated at J. N. Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi, No. 4-1-824/2 situated at Jawaharlal Nehru Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1186/78 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 7-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Rajkumar Gupta, S/o Sri Roop Kishore Gupta,
H. No. 17/4 at Vigyanpuri, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Gunawanti Bai, W/o Sri Rajendra Prasad, H.
No. 21-7-867 at Gandhi Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1978

Ref. No. RAC.No. 185/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-824/1 situated at J. N. Road, Hyderabad, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Malgi No. 4-1-824/1 situated at Jawaharlal Nehru Road, Hyderabad registered vide Document No. 1187/78 with the Joint Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1978
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Sri Rajkumar Gupta, S/o Roop Kishore Gupta, H. No. 17/4 at Vigyanpuri, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Moosa Bai, S/o Sri Hasham Bhai, H. No. 5-7-288 New Agapura, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC. No. 186/78-79.—Whereas, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-824/3 situated at J. N. Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mulgi No. 4-1-824/3 situated at J. N. Road, Hyderabad, registered vide Document No. 1200/78 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri S. H. Askari, H. No. 6-3-1102/A at Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Master : Abbas Ali Jeaukar S/o Haji Mohd. Joaukar (Minor) guardian, real father Sri Haji Mohd. Joaukar C/o Madina Hotel, Hyderabad.
2. Kumari Zahra Bi Bi, D/o Maji Mohd. Joaukar, minor. Represented by guardian father Sri Haji Mohd. Joaukar, C/o Madina Hotel, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 7th November 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 187/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-7-282 situated at Dewan Devdi Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura Hyderabad in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House M. No. 22-7-282 situated at Jilloo Khana, inside Dewan Deodi, Hyderabad, registered vide Document No. 583/78 in the Office of the Sub-Registrar Azampura, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 7-11-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th November 1978

Ref. No. RAC. No. 188/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-364/1/2/3 situated at Basheerbagh, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Sunil Kumar Modi, (G.P.A.) Dr. C. L. Modi, and Smt. Pramila Modi, W/o Dr. C. L. Modi, H. No. 3-6-364 at Liberty, Buildings, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. J. Udani, H. No. 1-1-269 at Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgies bearing M. No. 3-6-364/1/2/3 (300 Sq. Ft.) situated at Liberty Building Basheerbagh, Hyderabad, registered vide Document No. 824/78 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-11-1978

Seal :

FORM ITNS-----

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes Pvt. Ltd., 6, Harrington Street, Calcutta-16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Renu Kana Mazumder, 82, Ballygunge Gardens, Calcutta-19.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI
ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 8th November 1978

Ref. No. 416/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, VASKAR
SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 'H' on 1st floor situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 'H' on the 1st floor of the building named "Jay Jayanti" situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed
Kidwai Road (3rd floor) Calcutta-16.

Date : 8-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI
ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 8th November 1978

Ref. No. 417/Δcq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I VASKAR
SENbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 443 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/
and bearingNo. Flat No. 'B' on 4th floor
situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Calcutta on 10-3-78for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the said Act, in respect of any
income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes Pvt. Ltd., 6,
Harrington Street, Calcutta-16.
(Transferor)
- (2) Smt. Renu Sen 112A, Shyambazar Street,
Calcutta-5.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 'B' on the 4th floor of the build-
ing named "Yay Zayanti" situated at 2, Mandeville Gar-
dens, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor)
Calcutta-16.

Date: 8-11-1978.
Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes Pvt. Ltd., 6, Harrington Street, Calcutta-16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ruby Mondal, 6/4, Fern Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI
ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 8th November 1978

Ref. No. 418/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I VASKAR
SENbeing the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceed-
ing Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 'E' on 3rd floor
situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta.(and more fully described in the Scheduled exceed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 10-3-78for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

16—366 GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 'E' on the 3rd floor of the building
named 'Jay Jayanti' situated at 2, Mandeville Gardens,
Calcutta.VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor)
Calcutta-16.

Date : 8-11-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- | | |
|-------------------------|--|
| (1) Smt. Husn Ara Begum | (Transferor) |
| (2) Km. Rahmatun Nissa | (Transferee) |
| (3) Km Rahmatun Nissa | [Person in occupation of the property] |

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th November 1978

Ref. No. R-128/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 596 situated at Dariyabad, Allahabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at—
on 17-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house property bearing No. 596 measuring 282 sqr meter situated at Dariyabad Allahabad and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 1146 and sale-deed, both duly registered on 17-3-1978 at the Office of the Sub-Registrar Allahabad.

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 13-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

- | | |
|----------------------------|--|
| (1) Shri Dwarka Nath Kaul, | (Transferor) |
| (2) Smt D. Ishrat | (Transferee) |
| (3) Shri D. N. Kaul | (Person in occupation of the property) |

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 20th November 1978

Ref. No. D-32/ACQ.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 206, Mauza, Bhagwanpur, Pargana Dehat situated at Amanat Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 29-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 206 admeasuring 1500 sq. meter situate at Mauza Bhagwanpur, Pargana Dehat Amanat, Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 2616 which are registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 20-11-1978.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1978

Ref. No. ASR/78-79/49.—Whereas, I, N. P. SAHNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2590/A/7&1367-VIII-8,MCA situated at Chowk Moni, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in Jan. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Kishori Lal Aggarwal s/o Shri Durga Dass Aggarwal, Near Chowk Moni, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Jagdish Rai Aggarwal s/o Lala Sham Dass Aggarwal R/o Bazar Kathaian, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and Tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2590/A/7&1367/VIII-8,MCA. Chowk Moni, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3471 of January, 1978 of Registering Authority Amritsar City.

N. P. HAHNI, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1978.
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th September 1978

Ref. No. ASR/78-79/52.—Whereas, I N. P. SAHNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 45 situated at Kt. Kanhian, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar City in January 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shrimati Saraswati Wd/o Shri Sant Ram, Katra Kanhian, Amritsar
(Transferor)
- (2) Shri Krishan Lal s/o Shri Sant Ram, Plot No. 45, Katra Kanhian, Bazar Pashmanwala, Amritsar, (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and Tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Plot No. 45, Katra Kanhian, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3568 of January, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SAHNI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 12-9-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th October 1978

Ref. No. ASR/78-79/61.—Whereas, I N. P. SAHNI, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 875/iv-16-533, situated at Kt. Mohar Singh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Aridam Jain, Raj Kumar Jain s/o Sh. Jaswant Mal Jain, Rup Mandi, Sadar Bazar, Delhi through Sh. Tilak Raj s/o Sh. Prem Chand, 'Kt.' Khazan Moti Mohalla Amritsar.
- (2) Shri Prem Nath s/o Shri Karam Chand, House No. 875/IV-16 & 533/IV-16 Katra Mohar Singh, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenants if any
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be Interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 875-IV-16-533/IV-16 Katra Mohar Singh Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4375 of March, 1976 of Registering Authority Amritsar City.

N. P. SAHNI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 4-10-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Kunjamma (2) Smt. Devaky
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri C. V. Sankaran
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, MAREENA BLDG., M. G. ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 21st August 1978

Ref. No. L.C. 228/78-79.—Whereas, I P. O, GEORGE
being the competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
at Manathala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Chavakkad on 11-3-1978
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1.85 acres of agricultural land as per schedule to docu-
ment No. 314/78 dated 11-3-1978.

P. C. GEORGE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 21-8-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 25th September 1978

Ref. No. L.C. 238/78-79.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

As per Schedule situated at Alleppey

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alleppey on 30-3-1978

for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Retnamma, Mukkavalackal, Pulayanthra House, Chungom, Alleppey, 2. Sh. Sugathan, Veehisseril House, Thondankulangana, Alleppey. (Transferor)
- (2) Smt. Rajamony, Valanjavazhikkal Veedu, Varanam, Thanneermukkam, Alleppey. (Transferees)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

34 cents of land and buildings in Alleppey—vide Schedule to Document No. 714/1978.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Dated : 25-9-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS, M.G.
ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 25th September 1978

Ref. No. L.C. 239/78-79.—Whereas, I,
K. NARAYANA MENON,
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.
As per Schedule situated at Ernakulam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Ernakulam on 21-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
17—366GI/78

(1) 1. Dr. Santhakurup, Professor, Medical College,
Kottayam, 2. Smt. Survanakumari, D/o Porathil P.
Vasudevakurup, Karithala, Ernakulam.

(Transferor)

(2). 1. Sh. V. K. Sreenivasan, S/o Kurihivelappan, 35/
74, Kalathiparambu Road, Ernakulam, 2. Smt. Vina-
yashobhini, W/o V. K. Sreenivasan 35/74, Kalathi-
parambu Road, Ernakulam.

(Transferees)

(3) Official Liquidator, Palai Central Bank.
(Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

2/3rd right over 35 cents of land and building No. 35/74
of Cochin Cooperations Vide Schedule to Document No.
883/78.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated : 25-9-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,
ANAND BAZAR, COCHIN-6820 16,

Cochin-6820 16, the 7th October 1978

Ref. No. L.C. 241/78-79.—Whereas, I,
V. MOHANLAL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Sy. No. As per Schedule situated at Trivandrum
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Trivandrum on 31-3-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) L. Dhakshayani Amma & 7 others Rugmini Bhavanam
Randamada, Vattiyoor Kavu, Trivandrum.

(Transferors)

- (2) Sh. R. Geetha Vasanth T.C. 1077, Vasantha Vihar,
Kawdiar, Trivandrum.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

41 Cents. 672 Sq. links of land with buildings in Sy. No.
1269 of Vanchiyoor Village.

V. MOHANLAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated : 7-10-1978
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,
ANAND BAZAR, COCHIN-6820 16

Cochin-6820 16, the 7th October 1978

Ref. No. L.C. 242/78-79.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. As per Schedule situated at Trivandrum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trivandrum in 15-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. V. Madhawan Thanpi Jaya Mansion, Vazhutha Kadu, Trivandrum.

(Transferors)

- (2) Sh. P. S. Mohanan Nair, Parayaru Parambu, Kanjirappilly.

(Transferees)

- (2) The Regional Deputy Director of Public, Instruction, Trivandrum.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

44½ Centrs of land with buildings in Sq. No. 1232, 1230 1231/A of Palkulangara Village.

V. MOHANLAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated : 7-10-1978
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-6820 16, the 7th October 1978

Ref. No. L.C. 243/78-79.---Whereas, I,
V. MOHANLAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing
Sy. No. As per Schedule situated at Kottayam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Kottayam in 17-3-1978
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :--

(1) Smt. Zainaba Beevi, D/O Meenthalakandy Abdu,
Chirappurathu Desom, Muzhappilangathu Amsom,
Chirakkal, Tellicherry.

(Transferors)

(2) Sh. T. A. Saiyed Muhamed, Cherusseril Kodimatha
Kottayam.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

6½ Cents of land with buildings in Sy. No. 8/6A/3/37 of
Kottayam Village.

V. MOHANLAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated : 7-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,
ANAND BAZAR, COCHIN-6820 16

Cochin-6820 16, the 7th October 1978

Ref. No. L.C. 244/78-79.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. As Per Schedule situated at Quilon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 14-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. B. Gunapalammal, D/o Rangammal, Kumalath Veedu, Andamukkath Cheri, Quilon.
(Transferors)
- (2) Sh. L. Kunju Kunju, S/o Lukose, Bathel Bungalow Vilakudy, Pathanapuram.
(Transferees)
- (3) Venkatachala Reddiar and others.
(Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

40 Cents 175 Sq. links of land with buildings in Quilon Village Sy. Nos. 8593, 8594, 8595.

V. MOHANLAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated : 9-10-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 29th August 1978

Ref. No. 3 to 6/March/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Thadangam Village, Dharmapuri Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO, Dharmapuri North (Doc. No. 200/78) on 4th February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Annapoorani,
W/o. Shri Ekambaram,
Arthanari Nagar,
Salem-4.

(Transferor)

(2) 1. Shri R. Veeramani,
3, Ganapathi Colony,
Madras-86

2. Shri S. A. Asaithambi,
3. Shri S. R. Sekar, &
4. Shri S. R. Kumar,

No. 12, 3rd Street,
Gopalapuram,
Madras-86.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Lands measuring 6.70 acres and terraced building measuring 2,000 sq. ft. at Thadangam Village, Dharmapuri Tk.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 29-8-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 19th September 1978

Ref. No. 28/March/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27/28, situated at Egmore High Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Periamet (Document No. 1066/78) on 25-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Md. Bhai Abdul Hussain,
Rep. by Kasimbhai Tyabali,
S/o Mulla Tyabali,
307. Linghi Chetty Street,
Madras-1.

(Transferor)

(2) Shifakhana-E-Shaiyedna Yusuf,
Rep. by Abbas Bhai Akbarally Wadnagarwala,
20, Errabalu Chetty Street,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 ground and 1204 sq. ft. of land & buildings at Door No. 27/28 (Old No. 21/22), Egmore High Road, Madras, in Old Survey No. 954, Re-Survey No. 552/2, C.C. No. 210.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 19-9-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri P. Sivaprakasa Mudaliar,
44, Ranganathan Avenue,
Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramjee Gopal Patel,
Depot No. 200, 'Nehru Timber Mart',
Sydenhams Road, Vepery,
Madras-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, 20th September 1978

Ref No. 18/March/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Depot No. 200, situated at 'Nehru Timber Mart', Sydenhams Road, Vepery, Madras-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Periamet (Document No. 192/78) on 17-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1200 Sq. ft. area of Zinc shed Depot No. 200, 'Nehru Timber Mart', Sydenhams Road, Vepery, Madras.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 20-9-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 30th September 1978

Ref. No. 9/March/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Uthamapuram Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO, Cumbum (Document No. 863/78) on 10 March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—366GI/78

(1) Shri Chinnadorai @ Chokkupillai & Shri V. Govindan,
S/o. Veerabadra Pillai,
Cumbum.

(Transferor)

(2) Shri Ganesan,
S/o Kolandaivelu Pillai,
Kamayagoundenpatty.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4.98 acres of dry garden lands in Uthamapuram vge.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 30-9-1978

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri V. Chandrasekaran; &
2. Shri V. Surulinathan,
Ss/o. S. Veerabadrapillai,
Velappar Koil St.,
Cumbum, Madurai District.

(Transferor)

- (2) Shri K. Murugesan,
S/o K V Kulandaivelu Pillai,
Kamayagoundenpulayam,
Madurai District.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 30th September 1978

Ref. No. 10/March/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Uthamapuram Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO, Cumbum (Document No. 864/78) on 10 March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4.98 acres of agricultural lands at Uthamapuram Village, Madurai District.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 30-9-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 30th September 1978

Ref. No. 25/March/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7, situated at Akil Kidangu Street, Ramanadhapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO, Ramanadhapuram, (Doc. No. 89/78) on 22-3-1978 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri P. M. Mustafa,
S/o P. M. M. Mohideen,
North Street,
Pudumadam,
Ramnad.

(Transferor)

(2) 1. Shri S. Abul Hasan; &
2. Shri S. Jamal Mohammed,
Sons of M. Sulaiman,
Middle Street, Pudumadam,
Ramnad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building situate at No. 7, Akil Kidangu Street, Ramanadhapuram.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 30-9-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 30th September 1978

Ret. No. 33/March/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule, situated at Sethurayanputhur vge, Pudur Vge & Venkataren-gapuram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Tirunelveli on 27 March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Samy Private Ltd.,
Sankarnagar PO,
Thalaisyuthu,
Tirunelveli District.

(Transferor)

(2) M/s. Agricultural Farms Ltd.,
9/158, Tenkulam Road,
Sankarnagar P.O.,
Tirunelveli District

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

53.75 acres of agricultural lands at Sethurayanputhur Village; 50 acres of agricultural lands at Pudur Village; and 12.13 acres of agricultural lands at Venkarengapuram Village, Ambasamudram Tk. (Document No. 450/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 30-9-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 4th October 1978

Ref No. 37/March/1978.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

31 & 32, situated at Khanpalayam 4th Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer JSRO-II Madurai (Document No. 857 of 1978) on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pappu @ Ganga Devi
W/o P. S. Periakaruppa Nadar,
24, Khanpalayam 1st St.,
Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. R. Saroja,
W/o Sri Raman Chettiar,
Sathanoor Vge,
Paramakudi Tk.,
Ramanad District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2340 Sq. ft. of land and buildings at Door No. 31 & 32, Khanpalayam 4th Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 4-10-1978.
Seal ;

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,**

Madras-6, the 3rd November 1978

Ref. No. 8165.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Srinagar Colony, Madras-15 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Saidapet, Madras (Doc. No. 296/78) on March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Swarnam Ramani, R. Ramamurthi & Mrs. Vijayalakshmi Prabhakar,
No. 3, Sriman Srinivasa Iyengar Road,
Alwarpet, Madras-18. (Transferor)
- (2) SP. S.S.SP. Subramanian Chettiar,
9, Srinagar Colony, Saidapet,
Madras-15. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 1, Srinagar Colony, Madras-15.

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 3-11-1978
Seal :

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

Madras-6, the 3rd November 1978

Ref. No. 8136.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY,

being the Competent Authority under Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

23/373, situated at Oppanakara St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore (Doc. No. 580/78) on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) G. M. Mohamed Ismail,
S/o G. M. Mohamed Hussain,
8/257, Avanashi Road,
Coimbatore.

(Transferor)

- (2) K. Vadiraja, S/o
K. Kuppaia Acharya,
223, Subbiah Mudaliar St.,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 23/373, Oppanakara St., Coimbatore.

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 3-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 1st June 1978

Ref. No. Acq/966/Mathura/77-78.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE, situated AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Mathura on March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Moti Lal Khetan
Plot No. 5, Madho Niwas,
Vrindavan,
Distt. Mathura.

(Transferor)

(2) Shri Shri Anandmayee Ashram
Vrindavan,
Distt. Mathura.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building known as Madho Niwas, Plot No. 5, Vrindavan, Distt. Mathura, transferred for an apparent consideration of Rs. 65,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-6-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sukhdeo Bahadur Singh S/o
Devendra Singh,
R/o Lohamarah, Parg. & Teh. Kannauj,
Distt. Farrukhabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 28th June 1978

Ref. No. Acq/3/Kannauj/78-79/2026.—Whereas I, R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kannauj on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

19—366GI/78

(2) Shri Tularam and Khusiram Sons of Jugga,
R/o Nathdubi, Mauja Rajaimau,
P.O. Lohamarah, Parg. & Teh. Kannauj,
Distt. Farrukhabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 7.91 Acres situated at Lohamarh, Kannauj, Distt. Farrukhabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 28,900/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-6-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 28th June 1978

Ref. No. Acq/14/Mathura/77-78/2027.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 30-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Lav Khatri self and Mukhtaranm Kush Khatri and Satdeo Khatri,
R/o America & London respectively
and Smt. Krishna Khatri
R/o Dampiar Nagar,
Distt. Mathura.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash and Gopal Das,
R/o Satghara,
Distt. Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 1896/7, Dampiar Nagar, Mathura transferred for an apparent consideration of Rs. 90,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-6-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 28th June 1978

Ref. No. Acq/12/Mathura/78-79/2029.—Whereas I, R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Mathura on 21-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Fateh Lal and Ratan Lal S/o Raman Lal, Umesh S/o Fateh Lal and Hemant S/o Ratan Lal, R/o Dampiar Nagar, Mathura.

(Transferor)

(2) Shri Ram Babu S/o Gyasi Ram Bharatpur Darwaja, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building bearing No. 102/5, Bharatpur Darwaja, Distt. Mathura, transferred for an apparent consideration of Rs. 65,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-6-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 28th June 1978

Ref. No. Acq/13/Mathura/78-79/2030.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mathura on 21-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Fateh Lal and Ratan Lal S/o Raman Lal, Umesh S/o Fateh Lal and Hemant S/o Ratan Lal, R/o Dampiar Nagar, Mathura. (Transferor)
- (2) Smt. Vidya Devi W/o Behari Lal and Behari Lal S/o Moti Lal, R/o Bharatpur Darwaja, Mathura. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building bearing No. 102/10, Bharatpur Darwaja, Badri Nagar, Mathura, transferred for an apparent consideration of Rs. 55,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-6-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 26th July 1978

Ref. No. Acq/10/Etawah/78-79.—Whereas I, L. N. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Etawah on March 1978 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gomati Devi D/o Dularam, W/o Badan Singh, R/o Bihari Bhatpura, P.O. Geenja, Distt. Etawah.

(Transferor)

- (2) Shri Kripal Singh (Major) Vijaipal Singh, Indrapal Singh, Chandrapal Singh (Minors) through Chedalal (Father) and Shri Chedalal S/o Surajpal Singh, Sadhu Singh, Nathuram, Chotey Lal, Sons of Hajuri Singh, R/o Dhamna Ki Maraiyya, P.O. Ajabpur, Distt. Etawah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16-19 Acres (1/2 Part) situated at Vill. Dhamna, Distt. Etawah, transferred for an apparent consideration of Rs. 24,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Kanpur.

Date : 26-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Omwati W/o Mahendra Kumar Garg,
Advocate, 85, Navyug Market,
Ghaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Fatehchand Jugmander Das Jain,
73, Dalmandi, Sadar, Meerut
through Sri Jugmander Das.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 20th September 1978

Ref. No. Acq/1807-A/Meerut/77-78.—Whereas I, B. C.
CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Meerut on 4-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing
No. 73, situated at Dalmandi, Sadar, Meerut Cantt., trans-
ferred for an apparent consideration of Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Date : 20-9-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 20th September 1978

Ref. No. Acq/105-A/Haridwar/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Haridwar on 1-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Kishore Das Chela Sri Baldeo Das,
As Mukhtarant of Mahant Baldeo Das Chela
Mahant Harihar,
R/o Ram Mandir,
Devlam Road, Khar,
Bombay-52.

(Transferor)

(2) Dr. Anand Prakash Mehta S/o Sitaram Mehta,
R/o Saket, Sharwan Nath Nagar,
Haridwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building No. 232, Sharwan Nath Nagar Haridwar, transferred for an apparent consideration of Rs. 70,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 20-9-1978

Seal ;

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 25th September 1978

Ref. No. Acq/169/Agra/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 23-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri G. L. Shipstone,
Sogani Bhawan, Lal Kothi,
Everest Colony,
Jaipur-302004,

(Transferor)

(2) Shri Vivek Lall,
C-31, Safdarjang Enclave,
New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land & building bearing No. 62, Khandari Road, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 88,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-9-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 26th September 1978

Ref. No. Acq/135/Auraiya/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Auraiya on 21-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—366GI/78(1) Shri Khurdu S/o Ram Kishan,
R/o Vill. Mihauli,
P.O. Panhar, Parg. Auraiya,
Distt. Etawah

(Transferor)

(2) Shri Harditt S/o Balakram Dubey,
R/o Vill. Mihauli,
P.O. Panhar, Parg. Auraiya,
Distt. Etawah

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 4.30 acres situated at Vill. Mihauli, Parg. Auraiya, Distt. Etawah, transferred for an apparent consideration of Rs. 23,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 26-9-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 9th October 1978

Ref. No. Acq/56-A/D. Dun/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehra Dun on 3-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Major Pal Singh Sidhu S/o
Late S. Bhawan Singh Sidhu,
R/o House No. 448, Sector 35-A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Rama Prasad W/o
Late Flt Lt. Rajeshwar Prasad, R/o
2/1415, Nand Kutir, Ahmed Bagh,
Delhi Road, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building bearing No. 3, Turner Road, Clement Town, Dehra Dun, transferred for an apparent consideration of Rs. 80,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 9th October 1978

Ref. No. Acq/977/Kanpur/77-78.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 8-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s. H. T. Chemical Laboratories
97, Industrial Estate,
Kanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Praveen Chandra S/o Mathura Das,
50/222, Halsey Road,
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building bearing No. 97, Industrial Estate, Kulpi Road, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-10-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. Acq./Konch Jalaun/78-79.—Whereas I, VIJAY BHARGAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Konch, Jalaun on 23-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Abdul Shamad S/o Shri Wazir Khan,
Vill. Chhani, Konch Hall,
Bhagat Singh Nagar, Konch,
Jalaun.

(Transferor)

(2) Shri Ram Singh and Ramji S/o
Shri Tika Ram,
Vill. Manipura,
P.O. Gurawali,
Distt. Jalaun.

(Transferee)

(3) Ram Singh and Ram Ji S/o
Shri Tika Ram,
Vill. Manipura, P.O. Gurawali,
Distt. Jalaun.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring—Becghas and—Biswas situated in Vill. Chhani, Bhagat Singh Nagar, Konch, transferred for apparent consideration of Rs. 66,435/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-11-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. Acq./20/Meerut/78-79.—Whereas I, VIJAY BHARGAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dehradun on 17-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Suryabala Gupta W/o
Shri Suresh Chand Gupta,
274, Nunia Mohalla,
Meerut, Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Gian Singh S/o Phami Shah
Shri Guljit Singh & Jaspal Singh,
sons of Sri Gian Singh, R/o
B/F31 Tagore Garden,
New Delhi.

(Transferee)

(3) Shrimati Suryabala Gupta W/o
Shri Suresh Chand Gupta,
274, Nunia Mohalla,
Meerut, Cantt.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold property known as Sarila Lodge and the Mall side now also known as Hotel Woodlands situated on Mall, Mussoorie measuring .60 Acre covered area 420.26 Sq Ft. transferred for an apparent consideration of Rs. 1,30,000/- as against fair market value of Rs. 2,72,000/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-11-1978
Seal :

FORM ITNS ———

1. Smt. Komma Rama Seshamma, w/o. Bapalah, Prasadampadu, Vijayawada Tq.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Sh. Boddapati Subbanna Sastry, s/o. Venkatarao, c/o. Blesston Chemicals and Pharmaceuticals, Gunalala, Vijayawada Tq.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st August 1978

Acq. File Ref No. 781.—Whereas, I,

N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 57/1 situated at Prasadampadu Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 1-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 795/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F. N. ended on 15-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 31-8-1978.

Seal :

FORM ITNS— —

1. Sh. Pattan Bikku alias Galeeb Saheb, s/o Pattan Farid Khan, Kothapeta, Vijayawada-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Sh. Banda Suryanarayana, s/o. Bhaskara Rao, Sivalayam street, Satyanarayanapuram, Vijayawada-520 011.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st August 1978

Acq. File Ref. No. 782.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 249/2 situated at Jakkampudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 10-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 884/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F. N. ended on 15-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 31-8-1978.
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 31st August 1978

Acq. File Ref No. 783.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/115 situated at Bommuluru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kudidava on 10-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Sh. Lingam Sitaramanjanyulu, s/o. Nagabhushanam, Bommuluru, Gudivada Tq.

(Transferor)

2. Smt. Lingam Srilaxmi Vara Prasunamba, w/o Venkata Subbarao, Bommuluru, Gudivada Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 677/78 registered before the Sub-Registrar Gudivada, during the F.N. ended on 15-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 31-8-1978

Seal :

FORM ITNS

1. Smt. Mukkamala Laxminarasamma, w/o. Nagabhusanam, Mogalrajapuram, Vijayawada-10 (Near Sivalayam).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 31st August 1978

Acq. File Ref. No. 784.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS No. 11/38P situated at Machavaram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 1-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—
21—366GI/78

2. Kumari Chalasani Vajrakumari, d/o. Sri Dutt. Kasuribaipeta, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 813/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 15-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 31-8-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 31st August 1978

Acq. File Ref. No. 785.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS No. 11/38P situated at Machavaram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Mukkamala Laxminarasamma, w/o Nagabhushanam, Mogalrajapuram, Vijayawada-10 (Near Sivalayam).

(Transferor)

2. Kumari Chalasani Vajrakumari, d/o Sri Dutt, Kasuribailpeta, Vijayawada.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2182/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 15-5-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 31-8-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 14th September 1978

Acq. File Ref. No. 790.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TS No. 463/3 situated at Eluru (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on 30-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Sh. Seethamraju Subrahmanya Chakradhar.
(2) S. Ramanarayana Rao
(3) S. Giridhar Gopal, Narasimharaopeta, Eluru.
(Transferor)
2. Dr. Yarlagadda Swarnalata, Balaji Nursing Home, Ramachandrapeta, Eluru.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1028/78 registered before the Sub-Registrar, Eluru, during the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 14-9-1978.

Seal :

FORM ITNS

1. Sh. Seethamraju Subrahmanya Chakradhar.
(2) S. Ramanarayana Rao
(3) S. Girdhar Gopal, Narasimharaopeta, Eluru.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Dr. Yarlagadda Jagan Mohan Rao, Balaji Nursing Home, Ramchandraraoopeta, Eluru.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 14th September 1978

Acq. File Ref. No. 791.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS No. 463/3 situated at Eluru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on 30-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1029/78 registered before the Sub-Registrar, Eluru, during the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 14-9-1978.
Seal :

FORM ITNS ———

1. Smt. Batchu Rambai, w/o. Srirama Murthy, Addepallivari Street, Vizianagaram.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

2. Sh. Arun Kumar Murarka, s/o. Banarasi Lal Murarka
c/o. Andhra Motor Stores, Vizianagaram.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 14th September 1978

Acq. File Ref No. 792.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13-4-3 situated at Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 14-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 893/78 registered before the Sub-Registrar, Vizianagaram, during the F.N. ended on 15-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1978.
Seal :

FORM ITNS

1. Dr. Nallagatta Satyanarayana, Near Nakkala Road,
Suryaraopeta, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. M/s. Hindustan Sugars, Ramavarappadu, Vijayawada-
520006. Represented by its partner Sri Harichand.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 23rd September 1978

Acq. File Ref. No. 797.—Whereas, I,
N. K. NAGARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. RS 134/2 situated at Ramavarappadu
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vijayawada on 21-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No.
1045/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, dur-
ing the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-9-1978.
Seal :

FORM ITNS—

1. Smt. Nallagatla Sitamahalaxmi, w/o. Dr. Satyanarayana, Near Nakkala Road, Suryaraopeta, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. M/s. Hindustan Sugars, Ramavarappadu, Vijayawada-520 006, Represented by its partner Sri Harichand.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 23rd September 1978

Acq. File Ref. No. 798.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

135/1 situated at Ramavarappadu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 21-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1046/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-9-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 23rd September 1978

Acq. File Ref. No. 799.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS No. 1621 situated at Palakol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palakol in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Nalam Paparao, S/o Subbarao.
2. N. Venkata Subbarao
3. N. Venkata Ramakrishna
M/g. Father Sri N. Paparao,
14th Ward, Palakol, W.G. Dist.

(Transferor)

- (2) Gunnam Suvarnamukhi,
W/o Satyanarayana,
17th Ward, Palakol,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 383/78 registered before the Sub-Registrar, Palakol, during the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-9-1978
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 23rd September 1978

Acq. F. Ref. No. 800.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30-1-20 situated at Palkol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palakol in March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22—366GI/78

- (1) 1. Nalam Paparao, S/o Subbarao.
2. N. Venkata Subbarao
3. N. Venkata Ramakrishna
M/g. Father Sri N. Paparao,
14th Ward, Palakol, W.G. Dist.

(Transferor)

- (2) Gunnam Radhakrishna Murthy,
S/o Chanti Abbayi (Ammanna)
17th Ward, Palkol.

(Transferee)

- (3) 1. M/s. Bhupathi Ramachandra Raju & Sons.
2. Midley Krishna Murthy,
Palakol.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 384/78 registered before the Sub-Registrar, Palkol, during the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-9-1978
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 23rd September 1978

Acq. F. Ref. No. 801.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Asstt. No. 1621 situated at Palakol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palakol in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Nalam Paparao, S/o Subbarao.
2. N. Venkata Subbarao
3. N. Venkata Ramakrishna
M/g. Father Sri N. Paparao,
14th Ward, Palakol, W.G. Dist.

(Transferor)

- (2) Gunnam Chitti Ammaji,
W/o Radhakrishna Murthy,
17th Ward, Palkol,
W.G. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 385/78 registered before the Sub-Registrar, Palakol, during the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-9-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 23rd September 1978

Acq. F. Ref. No. 802.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 30-1-26 situated at Palakol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Palakol in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Nalam Paparao, S/o Subbarao.
2. N. Venkata Subbarao
3. N. Venkata Ramakrishna
M/g. Father Sri N. Paparao,
14th Ward, Palakol, W.G. Dist.

(Transferor)

- (2) Gunnam Laxmikantam,
W/o Surya Audinarayana,
17th Ward, Palkol,
W.G. Dist.

(Transferee)

- (3) 1. M/s. Bhupathiraju Ramachandra Raju & Sons.
2. Sri Gadi Apparao,
Palakol.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 786/78 registered before the Sub-Registrar, Palakol, during the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-9-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 23rd September 1978

Acq. F. Ref. No. 803.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30-1-23 situated at Palakol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palakol in March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Nalam Paparao, S/o Subbarao.
2. N. Venkata Subbarao
3. N. Venkata Ramakrishna
M/g. Father Sri N. Paparao,
14th Ward, Palakol, W.G. Dist.

(Transferor)

- (2) Gunnam Suramma,
W/o Chanti Abbai,
17th Ward, Palkol,
W.G. Dist.

(Transferee)

- (3) 1. M/s. Bhupathiraju Ramachandra Raju & Sons.
2. N. Satyanarayana,
Palakol.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 387/78 registered before the Sub-Registrar, Palakol, during the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-9-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 23rd September 1978

Acq. F. Ref. No. 804.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30-1-22 situated at Palakol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palakol in March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Nalam Paparao, S/o Subbarao.
2. N. Venkata Subbarao
3. N. Venkata Ramakrishna
M/g. Father Sri N. Paparao,
14th Ward, Palakol, W.G. Dist. (Transferor)
- (2) Gunnam Satyanarayan,
17th Ward, Palkol,
W.G. Dist. (Transferee)
- (3) 1. M/s. Bhupathiraju Ramachandra Raju & Sons.
2. Sri V. Gamanaiyelu,
Palakol. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 388/78 registered before the Sub-Registrar, Palakol, during the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-9-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 27th September 1978

Acq. F. Ref. No. 805.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 4-2-40 situated at Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 20-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Tallapalli Krishna Rao,
S/o Rajayya Gupta
2. T. Aravinda Babu
3. T. Sai Madhav
M/G. Father Sri T. Krishna Rao,
19-2-483, Fathe Darwaja, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Appana Surayanarayana Murthy
S/o Seshayya,
Kothagraharam, Vizianagaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 961/78 registered before the Sub-Registrar, Vizianagaram, during the F.N. ended on 31-3-1978.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 27-9-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 27th September 1978

Acq. F. Ref. No. 806.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26-13-54A situated at Vijayawada and situated at Naupada, Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 31-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Chukkapalli Arunkumar,
S/o Pitchaiah,
Sanyasiraju Road, Gandhinagaram,
Vijayawada-3.

(Transferor)

- (2) M/s. Popular Shoe Mart,
represented by its Managing Partner
Sri Ch. Pitchaiah,
Sanyasiraju Road, Gandhinagaram,
Vijayawada-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1238/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 31-3-1978.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-10-1978
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 29th October 1978

Acq. F. Ref. No. 807.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27-9-52 situated at Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Kakinada on 22-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mangu Ramdas,
S/o Venkata Ramana Rao,
2. M. Pavankumar,
M/g. Father Sri M. Ramdas,
17-1-390/A1, Saidabad Colony,
Hyderabad-500 059,
(Transferor)
- (2) Badam Savitri,
W/o Satyanarayana Murthy,
Temple Street Kakinada,
(Transferee)
- (3) 1. K. Sobhanadri, 2. V. Narayanachari,
Kakinada.
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1123/78 registered before the Sub-Registrar, Kakinada, during the F.N. ended on 31-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th October 1978

Acq. Fi. Ref. No. 808.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 333, situated at Velpura (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kankipadu on 8-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Machiraju Seshamma Rao,
W/o Shri Ramabrahmam,
Govenorpeta, Vijayawada-2.

(Transferor)

- (2) Shri Vanukuru Satyanarayana,
S/o Shri Pattabhi Ramaiah,
Velpuru, Vijayawada Tq.

(Transferee)

- (4) Shri Parvathaneni Subbarao,
S/o Shri Kotaiah,
Gosala Village Kakinadu.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered Document No. 156/78 registered before the Sub-Registrar, Kankipadu during the fortnight ended on 14-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 13-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th October 1978

Ref. No. Acq. F. 809.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9-7-41 situated at Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 4-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Kommuru Audilaxmi,
W/o late Rangaro
2. Sri K. Ravindra Kumar,
Minor by Guardian mother,
Smt. K. Audilaxmi,
Balji St. Kothapeta, Vizianagaram.

(Transferor)

- (2) Smt. Behara Annapurnamma,
W/o Chinnaro Patnacik,
9-7-41, East Balji St., Vizianagaram.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered Document No. 770/78 registered before the Sub Registrar Vizianagaram during the fortnight ended on 15-3-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-9-1978
Seal :